दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

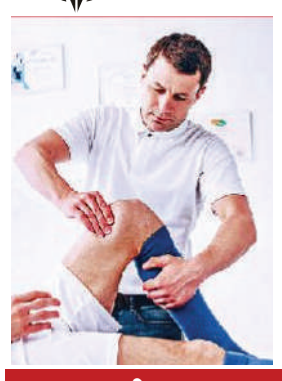

अमन लेखनी

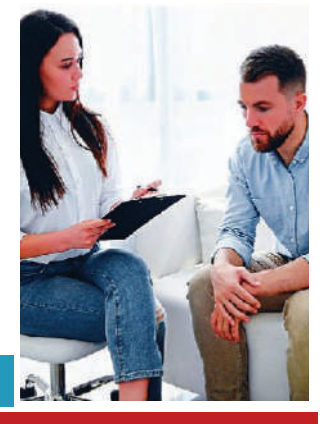

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर .....

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले.....

वर्ष : 12 | अंक : 59 | लखनऊ, 20 फरवरी, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

अनिल को 26 को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को नया समन जारी किया है। इस हफ्ते

बयान देने के लिए नहीं आने की वजह से उन्हें 26 फरवरी को फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उनकी पत्नी टीना अंबानी ने भी दो बार सुनवाई टाली है। टीना अंबानी को 10 फरवरी और 17 फरवरी को ईडी के सामने पेश होना था। बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है।

शिवनेरी किले में अफरा तफरी, कई लोग घायल

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर आज पूरा महाराष्ट्र 'जय भवानी, जय

शिवाजी' के नारों से गूंज रहा है। पुणे जिले में उत्साह और श्रद्धा के माहौल के बीच एक दुखद घटना सामने आई है। जुन्नर स्थित शिवनेरी किला बुधवार, 19 फरवरी को श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। इसी दौरानभीड़ के दबाव में भगदड़ के हालात बन गए।

पिता ने की पत्नी और 2 बच्चों की हत्या

जालौर। राजस्थान के जालौर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक

व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चों की गला काटकर हत्या कर दी। यह वारदात बुधवार देर रात की है। यह घटना भीनमाल थाना क्षेत्र के दासपा गांव में हुई। आरोपी की पहचान 40 वर्षीय मंगला राम पुरोहित के रूप में हुई है, जो पेशे से किसान है।

दिल्ली को मिली 24 अटल कैंटीन की सौगात

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार

को राजधानी में 24 नई 'अटल कैंटीनों' की शुरुआत की। कृष्णा नगर की नर्सरी बस्ती से डिजिटल तरीके से इन कैंटीनों का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही दिल्ली में अटल कैंटीनों की कुल संख्या बढ़कर 70 हो गई। इनकी संख्या 100 करने का लक्ष्य रखा है।

वंदे भारत पर पथराव से दो शीशे टूटे

मेरठ। वाराणसी से मेरठ जा रही वंदेभारत एक्सप्रेस की बोगी के 2 शीशे टूट जाने से सनसनी फैल

गई। बताया जा रहा ट्रेन में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी सवार थे। जांच में पता चला कि रेलवे ट्रैक के किनारे कुछ बच्चे खेल रहे थे। इन्हीं में से कुछ बच्चों ने पत्थर चलाए, जिनसे ट्रेन के शीशे टूट गए। गुरुवार शाम लगभग 3:30 बजे यह ट्रेन मुरादाबाद की तरफ जा रही थी।

आईपैक विवाद में ईडी का सुप्रीम कोर्ट में विस्फोटक हलफनामा

ममता सरकार पर लगाए सबूतों से छेड़छाड़ के गंभीर आरोप, सीबीआई जांच की मांग

ईडी ने ममता पर निशाना साधते हुए आरोप लगाए कि डिजिटल साक्ष्यों से छेड़छाड़ हुई है। हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट से कहा कि बंगाल में 'कानूनहीनता' है। निष्पक्ष जांच को मामलै सीबीआई को सौंपें

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

बंगाल चुनाव से पहले सियासी पारा बढ़ता नजर आ रहा है। बंगाल में हुई आईपैक रेड विवाद में सुप्रीम कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने हलफनामा दाखिल कर दिया है। इस एफिडेविट में पश्चिम बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एजेंसी का दावा है कि जांच में रुकावट डालने के लिए प्रभाव, पावर और जेड प्लस सिक्योरिटी का गलत इस्तेमाल किया गया। ईडी ने सीधे ममता पर निशाना साधते हुए आरोप लगाए हैं कि डिजिटल साक्ष्यों से छेड़छाड़ हुई है। ईडी ने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट से कहा कि पश्चिम बंगाल में 'कानूनहीनता ' है और निष्पक्ष जांच के लिए इस मामले को सीबीआई को सौंपा जाए। डिजिटल साक्ष्यों को लेकर ईडी ने सबसे बड़ा आरोप ममता सरकार पर लगाया है। हलफनामे में ईडी ने कहा है कि आईपैक के दफ्तर में कंप्यूटर डेटा का बैकअप लेने से रोका गया। सीसीटीवी स्टोरेज के डिवाइस हटा दिए गए। और जांच से पहले ही रिकॉर्ड्स से छेड़छाड़ की गई। एजेंसी ने आरोप लगाए हैं कि यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि योजनाबद्ध तरीके से साक्ष्यों को नष्ट करने की कोशिश है और यह गंभीर अपराध है।

जांच में बाधा डालने हर हथकंडे अपनाए

प्रभाव, पावर और जेड प्लस सिक्योरिटी का गलत इस्तेमाल किया

आईपीएसी दफ्तर से हटाया गया सीसीटीवी स्टोरेज

छापेमारी के दौरान खास फाइल ले जातीं सीएम ममता बेनर्जी

सीएम की सुरक्षा से बनाया गया दबाव

ईडी नेआरोप लगाया है कि सीएम् ममत की जेड प्लस सिक्योरिटी का इस्तेमाल करके जांच एजेंसियों और गवाहों पर दबाव बनाया गया। ईडी ने सवाल किया कि जेड प्लस सुरक्षा किसी व्यक्ति की जानमाल की सिक्योरिटी के लिए दी जाती है। अगर इसका इस्तेमाल जांच पर असर डालने या एजेंसियों को डराने-धमकाने के लिए हो तो यह इस पद के दुरुपयोग है।

बंगाल में कानून का राज खत्म

ईडी ने कहा कि बंगाल में कानूनहीनता है। और अपील की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई को जिम्मेदारी सौंपी जाए क्योंकि स्थानीय पुलिस पर भरोसा हीं किया जा सकता। यह संवैधानिक शासन के क्षरण का मामला है। कानून का राज नहीं है।

पुलिस और सरकार के विरोधाभास का जिक्र

हलफनामे में दी गई जानकारी के अनुसार ईडी ने राज्य सरकार और पुलिस कमिश्नर के विरोधाभास का जिक्र किया है। ईडी का कहना है कि सभी ने आईपैक के ऑफस पर पुलिस के पहुंचने का वक्त अलग-अलग बताया है। जिस एक पुलिसकर्मी शकील के घायल होने का दावा किया गया, उसके किसी तरह के मेडिकल रिकॉर्ड भी पेश नहीं किए गए। रेड की जानकारी देने वाले ईडी के मेल को पढ़ने को लेकर भी अलग-अलग समय बताया गया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल पुलिस ने ईडी के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को लेकर अलग-अलग वजहों का जिक्र किया है।

कोलकाता में आईपीएसी से जुड़ी थी रेड

हलफनामे में साफ किया है कि कोलकाता में की गई रेड आईपीएसी से जुड़ी थी। यह रेड टीएमसी से जुड़े किसी डेटा को लेकर नहीं थी। आईपैक पर कोल स्मगलिंग के तहत हवाला के 20 करोड़ (प्रोसीड ऑफ क्राइम) मिलने से जुड़ा हुआ है। ईडी ने कहा कि इस मामले में सरकारी काम में बाधा डालने, साक्ष्यों की चोरी, ट्रेस पासिंग, अधिकारों का दुरुपयोग है। जैसे अपराधों में मुकदमा दर्ज

13.50 करोड़ का लोन की भी चर्चा

जब से आईपैक कंपनी पर छापा पड़ा है, टीएमसी और भाजपा के बीच में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब आईपैक कंपनी को लेकर भी कई खुलासे हो रहे हैं। चर्चा है कि एक कंपनी से 2021 में आईपैक को 13.50 करोड़ का लोन जरूर मिला था, लेकिन वो कंपनी आधिकारिक रिकॉर्ड्स में कभी थी ही नहीं।

हाईकोर्ट ने 42 विधायकों को भेजा नोटिस

नामांकन में 'सही तथ्य' छिपाने का आरोप,पक्ष-विपक्ष के नेता शामिल

उम्मीदवारी के समय सही जानकारी नहीं देने का आरोप

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

बिहार विधानसभा के 42 विधायकों को पटना हाईकोर्ट ने नोटिस भेजा है। इनमें पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक शामिल हैं। आरोप है कि इन लोगों ने नामांकन के दौरान जो शपथ पत्र भरे थे, उनमें कई तथ्य छिपाए। कुछ विधायकों पर वोटिंग प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगाया गया है। कुछ माह पहले चुनाव हारने वालों प्रत्याशियों ने अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं, जिन पर कोर्ट ने अलग-अलग सुनवाई करते हुए लिखित जवाब देने को कहा है। हाईकोर्ट में यह एकमुश्त किसी मामले की सुनवाई के दौरान फैसला नहीं आया है या नोटिस जारी नहीं किया गया है। इसमें खास यह भी है कि कई मामलों में विधानसभा चुनाव जीतने वालों के साथ-साथ हारे प्रत्याशियों को भी कठघरे में रखा गया है। औराई विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुनी गईं रमा निषाद के खिलाफ जो मामला दर्ज हुआ था।

सूची में इन नेताओं का भी नाम

चौंकाने वाली बात यह है कि सूची में विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार का भी नाम है। इनके अलावा मंत्री विजेंद्र यादव, पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा, जदयू विधायक चेतन आनंद, राजद विधायक अमरेंद्र प्रसाद समेत 42 विधायक शामिल हैं। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि नामांकन के दौरान दाखिल किया गया शपथपत्र लोकतांत्रिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है। वोटर्स को प्रत्याशियों की पृष्ठभूमि, संपत्ति और अन्य विवरणों की सही जानकारी मिलनी चाहिए। जानकारी गलत दी गई तो यह गंभीर बात है। सभी विधायक तय समय के अंदर अपना जवाब दें।

कई हारे प्रत्याशी भी कठघरे में

उनकी याचिका में रमा निषाद के अलावा प्रत्याशियों- शिव शंकर गुप्ता, मो. आफताब आलम, भोगेंद्र सहनी और राधा रमण को भी आरोपी बनाया गया है।इसी तरह, दूसरे केस में- झंझारपुर विधानसभा सीट से जीतने वाले नीतीश मिश्रा के साथ हारने वाले प्रत्याशियों- कृष्ण कुमार साहू, अब्दुल इरफान, ओम प्रकाश पोद्दार, उमर आफताब अफसर, कृष्ण कुमार झा को भी इस चुनाव में दूसरे नंबर पर रहे प्रत्याशी राम नारायण यादव ने आरोपी बनाया है।

सीएए पर 250 अन्य अर्जी भी दायर

सीजेआई ने सुनवाई को तारीख तय की 5 मई से इस पर होगी लगातार सुनवाई

12 मई को याचिकाकर्ताओं को जवाब देने का मौका मिलेगा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 5 मई से सुनवाई शुरू करेगा। सीजेआई सूर्यकांत ने दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तारीख तय की। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) सहित 250 अन्य ने सीएए कानून पर रोक की मांग को लेकर याचिका दायर की है। आईयूएमएल ने कहा है कि सीएए कानून असंवैधानिक और मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है।

सीएए के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं पर फैसला

दोनों पक्षों को पूरा मौका दिया जाएगा

याचिकाओं पर अब फाइनल सुनवाई 5 मई से शुरू करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 5 मई को याचिकाकर्ताओं की दलील सुनी जाएगी। 6 मई को आधा दिन उनकी बात जारी रहेगी। 7 मई को सरकार का पक्ष सुना जाएगा। 12 मई को अगर जरूरत हुई तो जवाब देने का मौका मिलेगा।

असम त्रिपुरा पर अलग होगी सुनवाई

कोर्ट ने कहा कि असम और त्रिपुरा से जुड़े मामले अलग हैं, इसलिए इनकी सुनवाई मुख्य मामले के बाद अलग से की जाएगी। कोर्ट का कहना है कि इन राज्यों से जुड़े मुद्दे अलग तरह के हैं, इसलिए उन्हें अलग सुनना सही रहेगा।

असम में एसआईआर कराने के लिए दाखिल याचिका खारिज की

उच्चतम न्यायालय ने असम में एसआईआर कराने का निर्देश निर्वाचन आयोग को देने के अनुरोध वाली जनहित याचिका को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ,न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने निर्वाचन आयोग की इस दलील पर संज्ञान लिया कि असम में अंतिम मतदाता सूची तैयार हो चुकी है।

गृह मंत्री शाह आज असम में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 शुरू करेंगे

2028-29 तक 6,839 करोड़ होगा व्यय

योजना से सीमांत गांवों का पूर्ण सतत विकास सुनिश्चित होगा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को असम में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम–2

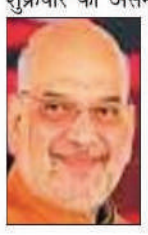

लॉन्च करेंगे। यह प्रोग्राम सीमांत गांवों को मजबूत बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक अहम पड़ाव होगा। यह एक केंद्रीय योजना है, जिसका व्यय वित्त वर्ष 2028-29 तक 6,839 करोड़ है। इसे 15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में लागू किया जाएगा। प्रोग्राम शुक्रवार को कछार जिले के नाथनपुर गांव में आधिकारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा।

भाजपाध्यक्ष नबीन ने कहा

असम के लोगों का यहां के संसाधनों पर हक, बांग्लादेशी घुसपैठियों का नहीं

गुवाहाटी। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को

कहा कि असम के संसाधनों पर अधिकार केवल असम की जनता का है, न कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का। नबीन ने डिब्रूगढ़ के मनोहरी चाय बागान में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सीएम हिमंत विश्व सरमा ने लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए घुसपैठियों के खिलाफ उचित कदम उठाए हैं। घुसपैठियों को वापस भेजने की कार्रवाई कर रहे हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद ने उप मुख्यमंत्री पाठक पर कसा तंज

101 बटुकों का पूजन करने से नहीं धुलेगा मेले का पाप

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा 101 बटुकों को घर पर बुलाकर अंगवस्त्रम और तिलक लगाकर पैर छूकर सम्मान करने पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि उन्होंने ये करके अपनी भावना दिखाई है और जताया कि जो प्रयागराज में हुआ वह पाप था उसको धोने के लिए मैं अपना प्रयास कर रहा हूं। इससे प्रयागराज में घटना का पाप नहीं धुल सकता है। 101 बटुकों पर पुष्पवर्षा कर और तिलक कर सम्मानित करना कोई कार्रवाई नहीं है, ये राजनीति है। जो वास्तविक पीड़ित है, जिस बटुक की चोटी खींची गई उसके पास जाते कि अपने पसंद के बटुक बुला लिए और चंदन लगा दिए। ये राजनीति नहीं है। 20 दिन का अल्टीमेटम 1 मार्च को पूरा होगा।

1 मार्च को पूरी होगी हमारी चेतावनी

उन्होंने अपने पसंद के बटुक बुलाए और चंदन लगा दिया

सैकड़ों लोग पार्टी छोड़ रहे

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गोरक्षा की मांग को लेकर 11 मार्च को लखनऊ में साधु- संतों और सनातनियों के साथ जाएंगे। भाजपा के 100 से ज्यादा कार्यकर्ता, पूर्व विधायक, पदाधिकारी रक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की मनसा स्पष्ट न होने के कारण मेरे शरण में आ रहे हैं और पार्टी को भी छोड़ रहे हैं।

गोमाता को 'राज्य माता' घोषित करो, नहीं तो

अविमुक्तेश्वरानंद ने योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने गौ संरक्षण के मुद्दे पर खुली चुनौती दी है। शंकराचार्य ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई, तो वे अपने समर्थकों के साथ लखनऊ की ओर प्रस्थान करेंगे।

20 दिन का समय शेष, 1 मार्च को अगली रणनीति

शंकराचार्य ने याद दिलाया कि उन्होंने सरकार को 40 दिन का समय दिया था, जिसमें से अब केवल 20 दिन शेष बचे हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार को याद दिला रहे हैं कि गोमाता को 'राज्य माता' का दर्जा देने के लिए समय कम बचा है। 1 मार्च को हम दोबारा पत्रकारों से मिलेंगे और आगे की स्थिति स्पष्ट करेंगे।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कहा

मंदिरों व प्रबंधन से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ बढ़ते केस चिंताजनक

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने बुधवार को हरिद्वार स्थित चंडी देवी मंदिर के मुख्य पुजारी के खिलाफ लगे आपराधिक आरोपों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। न्यायालय में दायर विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने कहा कि मंदिरों और आश्रमों के प्रबंधन से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ बढ़ते मामलों की संख्या चिंताजनक है तथा धार्मिक संस्था की गरिमा को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि अगर धार्मिक स्थानों

से जुड़े पदाधिकारी सहवासी संबंध, घरेलू विवादों और छेड़छाड़ जैसे आरोपों का सामना कर रहे हैं तो स्थिति वास्तव में गंभीर है। कम से कम मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे जैसे धार्मिक स्थल ऐसी गतिविधियों से मुक्त रहने चाहिए। इनके प्रबंधन प्रणालियों की उचित निगरानी सुनिश्चित करने औचक निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए।

अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम से खेल पर्यटन व निवेश को मिलेगी नयी गति : योगी

अमन लेखनी समाचार

- गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए इंडियन ऑयल करेगा सहयोग
- उत्तर प्रदेश सरकार व इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच हुआ एमओयू

लखनऊ। गोरखपुर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड 60 करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच इस संबंध में एमओयू पर हस्ताक्षर सम्पन्न हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह स्टेडियम केवल एक खेल संरचना नहीं, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश की उभरती प्रतिभा को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम से क्षेत्र में खेल पर्यटन, निवेश और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने इंडियन ऑयल के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सार्वजनिक-निजी सहभागिता का यह मॉडल राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण में सीएसआर के माध्यम से सहयोग प्रदान करने के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वाराणसी में भी एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम निमार्णाधीन है, जिसे जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। वहीं, गोरखपुर क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट जैसे अभियानों के माध्यम से खेल भावना और फिटनेस की संस्कृति को नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के बजट में राज्य सरकार ने प्रत्येक मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित करने की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त, मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी तीव्र गति से प्रगति पर है। बता दें कि प्रस्तावित स्टेडियम में 30,000 दर्शकों की क्षमता होगी और इसे पूर्णतः अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। अत्याधुनिक पिच, प्रैक्टिस एरिया, फ्लडलाइट्स, आधुनिक ड्रेसिंग रूम, मीडिया सेंटर और हाई-एंड स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ यह स्टेडियम बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करने में सक्षम होगा। साथ ही, यह युवा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, कौशल-विकास और उत्कृष्टता को नई दिशा देगा। परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है।

इंडियन ऑयल के चेयरमैन अरविंदर साहनी ने एमओयू को समूह के लिए गर्व की बात बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि इंडियन ऑयल समूह उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास में हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेज गति से ह्यस्पोर्ट्स पावरह्ल बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गोरखपुर में प्रस्तावित यह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम उसी दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

अयोध्या में गुजरात, उत्तराखंड सरकार के बनेंगे राज्य भवन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अयोध्या में ग्रीनफील्ड टाउनशिप तेजी से आकार ले रहा है। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद से संचालित यह महत्वाकांक्षी परियोजना रामनगरी को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में शामिल इस योजना से अयोध्या न केवल धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनेगी, बल्कि निवेश, आवास और आधुनिक सुविधाओं का भी प्रमुख हब बन जाएगी। परियोजना का कुल प्रस्तावित क्षेत्रफल लगभग 1407 एकड़ है, जिसमें से वर्तमान में करीब 720 एकड़ भूमि पर भौतिक कब्जा आवास विकास परिषद को प्राप्त हो चुका है। यह भूमि श्री राम जन्मभूमि मंदिर से मात्र 4.5 किलोमीटर दूर सरयू नदी के तट पर स्थित है। आवास विकास अधिशासी अभियंता अमन त्यागी ने बताया की योजना के अंतर्गत भूमि विकास, गृहस्थान एवं बाजार योजना, पूरक योजना तथा प्रथम पूरक योजना के तहत अधिग्रहण कार्य तेजी से चल रहा है। विकास कार्यों में ट्रंक रोड, ट्रंक ड्रेन, केवल डक्ट, वाह्य विद्युतीकरण, आंतरिक सड़कें, सब स्टेशन और पंप हाउस का निर्माण प्रमुखता से हो रहा है। इन कार्यों से क्षेत्र का समग्र स्वरूप बदल रहा है और आधुनिक नगरीय ढांचा मजबूत हो रहा है। योजना में राज्य भवनों के निर्माण के लिए गुजरात, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और गोवा सरकारों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। ये राज्य भवन अयोध्या में अपनी सांस्कृतिक उपस्थिति दर्ज कराएंगे और धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन को नई गति देंगे।

इसी तरह, मठ-आश्रमों के लिए कुल 21 भूखंड आवंटित हो चुके हैं, जो धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। होटल निर्माण के लिए 9 प्लॉट आवंटित किए गए हैं, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। पांच सितारा होटलों से लेकर अन्य आतिथ्य सुविधाओं तक यहां विकसित होंगी, जो पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही हैं।

300 आवासीय भूखंडों का आवंटन पूरा हो चुका : आवासीय खंड में विशेष रुचि दिखाई दे रही है। योजना में 100 से 200 वर्ग मीटर आकार के लगभग 300 आवासीय भूखंडों का आवंटन पूरा हो चुका है। यह प्लॉट 100 वर्ग मीटर, 150 वर्ग मीटर और 200 वर्ग मीटर में उपलब्ध हैं। 2025 के अंत में हुई ड्रॉ और नंबरिंग प्रक्रिया के बाद कई आवंटियों को औपचारिक आवंटन पत्र मिल चुके हैं। रेरा पंजीकृत इस परियोजना में अंडरग्राउंड यूटिलिटीज, 36 मीटर चौड़ी सड़कें, ग्रीन-ब्लू कॉरिडोर (तालाबों का विकास करेंगे) जैसी सुविधाएं होंगी। परियोजना में हरित क्षेत्रों, झीलों, वेलनेस हब, हाईटेक पार्क और सुपर-स्पेशियलिटी मेडिकल सेंटर जैसी आधुनिक सुविधाओं पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप अयोध्या को सोलर सिटी और स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में यह टाउनशिप महत्वपूर्ण है। 'नव्य अयोध्या' अवधारणा के तहत आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संतुलन बनाया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर फोकस है, जिसमें सौर ऊर्जा, हरित क्षेत्र और नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग प्रमुख है।

शहरी विकास का नया मॉडल साबित होगी : राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में पर्यटन और निवेश की लहर आई है, और यह टाउनशिप उस विकास को नई ऊंचाई देगी। परियोजना की प्रगति से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। रोजगार सृजन, होटल-आतिथ्य क्षेत्र का विस्तार और रियल एस्टेट में निवेश के अवसर बढ़ेंगे। निवेशकों के लिए यह सुनहरा मौका है, क्योंकि अयोध्या का विकास तेजी से हो रहा है और प्रॉपर्टी मूल्यों में वृद्धि की संभावना मजबूत है। परिषद की वेबसाइट पर अपडेट्स उपलब्ध हैं और आवंटन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से चल रही है। कुल मिलाकर अयोध्या ग्रीनफील्ड टाउनशिप रामनगरी को विश्व स्तर की आधुनिक नगरी बनाने का माध्यम बनेगी। जहां प्राचीन गौरव और आधुनिक सुविधाएं एक साथ फलें-फूलेंगी। यह योजना न केवल अयोध्या बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के शहरी विकास का नया मॉडल साबित होगी।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग में 25 शिकायतों की जनसुनवाई, कई मामलों का निस्तारण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने गुरुवार को इंदिरा भवन स्थित आयोग कार्यालय में विभिन्न जनपदों से प्राप्त 25 शिकायतों एवं पत्रावलियों पर जनसुनवाई कर समस्याओं का निस्तारण किया। सुनवाई के दौरान कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए तथा कुछ प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराई गई।

लखनऊ निवासी रामआसरे सिंह के मामले में उपनिदेशक व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मिशन पद पर चयन के बावजूद कार्यभार न दिलाए जाने की शिकायत पर आयोग ने संज्ञान लिया। निदेशक कौशल विकास मिशन की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उपस्थित अधिकारी को कार्यभार ग्रहण कराए जाने के बाद आयोग को अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

आजमगढ़ निवासी सोहित यादव के मामले में उपजिलाधिकारी ने अवगत कराया कि भूमि सीमांकन कर पत्थरगड़ी कराते हुए प्रकरण का निस्तारण कर दिया गया है। सहारनपुर के राजीव सैनी के मामले में विकास प्राधिकरण द्वारा नक्शा पास न किए जाने पर सुनवाई हुई, जिसमें पैरामाउंट हाउसिंग सोसाइटी के निदेशक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए।

बाराबंकी के प्रवीन कुमार के मामले में पुलिस अधीक्षक की ओर से अवगत कराया गया कि निष्पक्ष जांच के लिए विवेचना क्षेत्राधिकारी फतेहपुर से हटाकर क्षेत्राधिकारी हैदरगढ़ को सौंप दी गई है। वहीं बरेली के जगन्नाथ प्रसाद गंगवार प्रकरण में अधिकारियों ने बताया कि प्लॉट आवंटन के बाद रजिस्ट्री कर कब्जा लिया जा सकता है, जिसके बाद शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। अन्य मामलों में अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

श्रीराम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए कोई शुल्क नहीं

लखनऊ। विधानपरिषद में प्रश्नों का उत्तर देते हुए उप मुख्यमंत्री व नेता सदन विधान परिषद केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्टकिया कि वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का संचालन मंदिर न्यास परिषद की ओर से किया जाता है और सुगम दर्शन शुल्क का निर्णय भी न्यास परिषद ही करता है, जबकि राम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए कोई शुल्क निर्धारित नहीं है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच काशी में सुगम दर्शन के लिए लगभग 10.7 लाख श्रद्धालुओं को दर्शन पर्ची जारी की गई।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मंदिरों में सामान्यतःसुगम दर्शन शुल्क लागू करने का निर्णय संबंधित मंदिर प्रबंधन या ट्रस्ट की ओर से लिया जाता है। सरकार केवल सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी करती है। उन्होंने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में जहां लगभग 77 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 17 करोड़ से अधिक हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में जहां लगभग 28 हजार विदेशी श्रद्धालु आए थे, वहीं वर्ष 2024 में यह संख्या करीब 3.99 लाख और वर्ष 2025 में 3.21 लाख रही। उन्होंने कहा कि बेहतर व्यवस्थाओं और बुनियादी सुविधाओं के कारण देश-विदेश से श्रद्धालुओं का विश्वास बढ़ा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार तीर्थ स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों काशी, अयोध्या, और प्रयागराज सहित अन्य तीर्थ स्थलो में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या राज्य की बेहतर व्यवस्थाओं का प्रमाण है।

जापान व सिंगापुर के लिए 500-500 एकड़ भूमि प्रस्तावित

यमुना एक्सप्रेस-वे : यीडा ने शासन को भेजी सूचना

अमन लेखनी समाचार

- सेक्टर-5ए में जापानी सिटी, सेक्टर-7 में सिंगापुर सिटी का प्रस्ताव

लखनऊ। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने जापान सिटी और सिंगापुर सिटी के विकास को लेकर औपचारिक प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। 18 फरवरी 2026 को जारी पत्र में प्राधिकरण ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन को अवगत कराया है कि प्राधिकरण क्षेत्र में इन दोनों प्रस्तावित सिटीज के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि इन दोनों सिटी को लेकर भूमि अधिग्रहण से संबंधित योजना तैयार कर ली गई है।

पत्र के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आधिकारिक प्रस्तावित जापान और सिंगापुर यात्रा के संदर्भ में प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत जापान सिटी और सिंगापुर सिटी के लिए क्षेत्र चिन्हित कर सूचना उपलब्ध कराए जाने की अपेक्षा की गई थी। इसी क्रम में प्राधिकरण ने सेक्टर-5ए और सेक्टर-7 को इन परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित किया है। प्राधिकरण की महायोजना के अंतर्गत सेक्टर-7 और सेक्टर-5ए मल्टीपर्पज औद्योगिक क्षेत्र के रूप में नियोजित हैं।

इन क्षेत्रों में औद्योगिक उपयोग न्यूनतम 70 प्रतिशत निर्धारित है। इसके साथ ही आवासीय उपयोग अधिकतम 12 प्रतिशत, वाणिज्यिक उपयोग अधिकतम 13 प्रतिशत तथा संस्थागत सुविधाएं न्यूनतम 5 प्रतिशत तक निर्धारित हैं। पत्र में कहा गया है कि इन सेक्टरों को एक इंटीग्रेटेड औद्योगिक सिटी के रूप में विकसित किया जा सकता है। जापानी सिटी के लिए सेक्टर-5ए ग्रेटर नोएडा में 500 एकड़ क्षेत्र प्रस्तावित है। इसी प्रकार सिंगापुर सिटी के लिए सेक्टर-7, ग्रेटर नोएडा में 500 एकड़ भूमि प्रस्तावित की गई है। दोनों ही परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है। इन सेक्टरों का विकास ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) मोड पर किए जाने का प्रस्ताव है।

नगर निगम जोन-5 की लापरवाही ,सड़कों और दुकानों के बाहर भरा गंदा पानी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर द्वितीय वार्ड में नगर निगम जोन-5 की लापरवाही से स्थानीय दुकानदारों और क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरोजनीनगर में कानपुर रोड स्थित बाग नंबर-3, एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास नाला उफनाने से दुकानों के सामने गंदे नाले का पानी भरा हुआ है, जिससे पूरा क्षेत्र बदबू और गंदगी से त्रस्त है। अमौसी एयरपोर्ट जनहित व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन तिवारी सहित स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीते एक वर्ष में कई बार नाला सफाई के नाम पर बजट खर्च किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत जस की तस बनी हुई है। नाले की नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों और दुकानों के अंदर तक पहुंच रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन तिवारी का कहना है कि नाले के कई ढक्कन गायब हैं, जिससे आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद संबंधित अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। गंदे पानी की बदबू और मच्छरों के प्रकोप से दुकानदार बीमार पड़ रहे हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम के अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। उनका कहना है कि यह स्थिति सीधे तौर पर प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन की मंशा पर पानी फेर रही है। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से तत्काल नाले की सफाई, ढक्कनों की मरम्मत और स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि दुकानदारों और राहगीरों को राहत मिल सके।

पार्षद ने हरिओम नगर की सड़क व नाली का किया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। द्वितीय 18 के अंतर्गत हरिओम नगर की गली नंबर 5 में मुकेश पुरी के घर से लेकर प्रदीप के घर होते हुए रमाकांत के घर तक लगभग 220 मीटर लंबी तथा 5 मीटर चौड़ी सड़क व नाली के कार्य का शिलान्यास पार्षद रामनरेश रावत की उपस्थिति में किया गया

शिलान्यास कार्यक्रम को पूरी विधि विधान से पूजा अर्चना करके पार्षद रामनरेश रावत ने अपनी पार्टी के कार्यकताओं एवं मंडल के पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया पार्षद ने मंडल उपाध्यक्ष राजन गुप्ता व पारस पांडे से नारियल फोड़वाकर तथा अभय द्विवेदी से फाड़वा मरवा कर कार्य का शुभारंभ कराया पार्षद प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी ने बताया की यह हरिओम नगर की यह रोड लगभग 35 वर्षों से कच्ची पड़ी हुई थी तथा जल निकासी की भी कोई व्यवस्था नहीं थी जिसके कारण आवागमन पथ काफी समय से बाधित था बुजुर्गों तथा स्कूली बच्चों को आने जाने में काफी समस्या थी तथा हर समय इस रास्ते पर पानी भरा रहता था जो कि अब हरिओम नगर में महापौर सुषमा खर्कवाल व विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की डूडा की निधि 25 लाख रुपए की लागत से नवनिर्माण इंटरलॉकिंग रोड एवं नाली का कार्य किया जाएगा हरिओम नगर का यह मार्ग मुख्य मार्ग से जुड़ा हुआ है यह मार्ग बरसात मे हमेशा जलमग्न रहता था जिससे यहां के लोग काफी समय से परेशान थे लेकिन आज इस शिलान्यास से लोगों में खुशी की लहर है तथा लोगों ने पार्षद को फूलों की माला पहना कर स्वागत किया तथा पार्षद ने बुजुर्गों को माला पहना कर सम्मान किया तथा लोगों ने विधायक डॉ राजेश्वर सिंह एवं महापौर सुषमा खर्कवाल, व पार्षद रामनरेश रावत के जिंदाबाद जिंदाबाद के नारे लगाए तथा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी एक दूसरे को साझा की तथा इस सड़क व नाली निर्माण के लिए यहां के निवासियों की तरफ से पार्षद प्रतिनिधि संतोष त्रिपाठी ने आप सभी को धन्यवाद दिया है

राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री भारत सरकार व विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह,एवं महापौर सुषमा खर्कवाल, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, और नगर आयुक्त गौरव कुमार,पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट जी, मंडल अध्यक्ष के. के.श्रीवास्तव के सहयोग और आशीर्वाद से इस हरिओम नगर में सड़क व नाली का निर्माण कार्य होने जा रहा है शिलान्यास कार्यक्रम में रितेश दुबे, फूलचंद गौतम, प्रदीप, संजय, अनिल दुबे, ऐ.के. सिंह, रवि कुमार, महेंद्र, प्रिंस, विकास त्रिपाठी, संतोष देवी, नंदिनी, शोभा, केतकी, किरण आदि हरिओम नगर के लोग उपस्थित रहे।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

आरोपी चंपी उर्फ चंदन फोटो

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि बीते 8 नवंबर 2025 को एक महिला ने थाने में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी 16 वर्षीय बेटी 31 अक्टूबर 2025 की दोपहर घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों ने रिश्तेदारों व संभावित स्थानों पर काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। पीड़िता की मां ने आशंका जताई थी कि उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है।

तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान सीडीआर विश्लेषण, पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ग्राम बदुल्लाखेड़ा, थाना आसीवन, जनपद उन्नाव निवासी चंपी उर्फ चंदन (19) का नाम प्रकाश में आया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को बृहस्पतिवार को मलिहाबाद थाना परिसर से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। मामले के अन्य पहलुओं की भी गहनता से जांच की जा रही है।

शिवाजी महाराज जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद स्थित हिंदू जागरण मंच के कार्यालय पर बृहस्पतिवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व सांस्कृतिक गौरव संस्थान के जिलाध्यक्ष संतोष सिंह तिलन ने किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने शिवाजी महाराज के महान व्यक्तित्व, अद्वितीय शौर्य, न्यायप्रिय शासन व्यवस्था और प्रशासनिक दूरदर्शिता पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष संतोष सिंह तिलन ने कहा कि शिवाजी महाराज स्वराज्य, धर्म-सहिष्णुता, नारी सम्मान और लोककल्याण के प्रतीक थे। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने साहस, रणनीति और सूझबूझ से एक सशक्त राज्य की स्थापना की, जो आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन युवाओं के लिए आदर्श है। उनके विचार और कार्यशैली समाज को आत्मनिर्भरता, राष्ट्रभक्ति और संगठन की शक्ति का संदेश देती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अवधेश अर्कवंशी, मनोज अर्कवंशी, राज मौर्य, रजत तिवारी, अन्नू, दुलारू गुप्ता, आचार्य राम जी, भानू यादव, रामचंद्र यादव सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

साइबर ठगों ने फेसबुक मैसेंजर आईडी हैक कर 1.85 लाख रुपए की करी ठगी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। साइबर ठगों ने बीते दिनों एक युवक की फेसबुक मैसेंजर आईडी हैक कर सरोजनीनगर निवासी उसके दोस्त से 1.85 लाख रुपये की ठगी कर ली। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने सरोजनी नगर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के स्कूटर इंडिया चौराहा निवासी पीड़ित अजय कुमार के मुताबिक बीती 7 फरवरी को दोपहर करीब 12:40 बजे उसके फेसबुक मैसेंजर पर सलाहुद्दीन नाम की आईडी से उसे एक मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले ने खुद को सऊदी अरब में फंसा बताकर इमीग्रेशन वीजा के लिए तत्काल पैसों की मदद मांगी और भारत लौटकर रकम वापस करने का आश्वासन दिया। इसके बाद मैसेज भेजने वाले ने मैसेंजर पर हाफिज जी नामक व्यक्ति का मोबाइल नंबर भेजकर बातचीत करने को कहा। इस पर अजय कुमार ने हाफिज जी नामक व्यक्ति से बात करने के बाद भरोसे में आकर बताए गए बैंक खातों में कुल 1,85,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में पता चला कि उनके परिचित की फेसबुक आईडी हैक कर यह ठगी की गई है। फिलहाल पीड़ित अजय की तहरीर पर सरोजनीनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक गुरुवार शाम करीब 5 बजे कानपुर की ओर से लखनऊ की तरफ आ रहे एक बाइक सवार युवक को बंथरा में कटी बगिया के पास कानपुर रोड पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। राहगीरों से सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने आनन फानन उसे एंबुलेंस बुलाकर सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के कपड़ों की तलाशी ली तो उसके पास मिले मोबाइल से उसकी पहचान मध्य प्रदेश प्रांत के राजनगर थाना अंतर्गत हिंदौर गांव निवासी करीब 30 वर्षीय राजेश पुत्र रामचंद्र के रूप में हुई। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कौशल विभाग से सीधी सरकारी नौकरी नहीं : मंत्री कपिल देव अग्रवाल

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने विधानसभा में प्रश्नों का उत्तर देते हुए स्पष्ट किया कि कौशल विकास विभाग के अंतर्गत सीधी सरकारी नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही होती है और यही व्यवस्था सभी शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है। मंत्री अग्रवाल ने बताया कि विभाग का मुख्य फोकस युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार योग्य बनाना है। विभिन्न औद्योगिक संगठनों और इंडस्ट्री एसोसिएशनों के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में अवसर दिलाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

संक्षेप

वार्ड-बॉय से इमरजेंसी में मारपीट,भीड़ हटाने को कहने पर मरीज के परिजन ने की पिटाई

मौरावां, उन्नाव। थाना क्षेत्र स्थित 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में एक वार्ड-बॉय के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।यह घटना 17 फरवरी 2026 की रात को इमरजेंसी वार्ड में हुई।वार्ड-बॉय प्रांजुल तिवारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात करीब 9:35 बजे गुलशन नामक एक मरीज अपने कई परिजनों के साथ अस्पताल आया था। मरीज के इलाज के दौरान इमरजेंसी कक्ष में अत्यधिक भीड़ होने के कारण प्रांजुल ने परिजनों से बाहर जाने का अनुरोध किया। प्रांजुल के अनुसार, रात लगभग 10:15 बजे तनुजेंद्र भदौरिया उर्फ तन्नू भदौरिया नामक व्यक्ति ने इमरजेंसी कक्ष के अंदर घुसकर उसके साथ मारपीट की। आरोपी ने यह धमकी भी दी कि ₹अस्पताल परिसर तुम्हारा है तो बाहर हमारा है। घटना के समय मौके पर डॉ. रितु गुप्ता और फार्मासिस्ट नवीन कुमार सचान सहित अन्य स्टाफ मौजूद था। मारपीट के बाद तनुजेंद्र भदौरिया ने प्रांजुल तिवारी को जान से मारने की धमकी दी और वहां से चला गया। प्रांजुल तिवारी ने अपनी शिकायत में न्याय और उचित कार्रवाई की मांग की है ताकि वह अपनी इमरजेंसी ड्यूटी बिना डर के कर सकें। थाना प्रभारी कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार परकल दिनांक- 18 फरवरी को धारा 115(2) और 351(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार को सौंपी गई है।

पट्टे की भूमि दिलाने के नाम पर ग्राम प्रधान व उसके भाई ने ग्रामीणों से वसूले लाखों रुपए

सफीपुर, उन्नाव। विकास खंड क्षेत्र के ग्राम गहोली में ग्राम प्रधान और उसके भाई के खिलाफ ग्रामीणों से लाखों रुपये वसूलने का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि पट्टा कराने के नाम पर ग्राम प्रधान जयचंद यादव और उसके भाई महेंद्र यादव ने कई ग्रामीणों से बड़ी रकम ली। जब पीड़ितों ने अपना पैसा वापस मांगा तो उनके साथ मारपीट और अभद्रता की गई।ग्रामीणों ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी और न्याय की गुहार लगाई। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें सरकारी जमीन का पट्टा दिलाने का झांसा देकर हजारों से लेकर लाखों रुपये तक वसूले गए। काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो पट्टा मिला और न ही पैसा वापस किया गया। विरोध करने पर दबाव बनाया गया और धमकाया गया।ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में कई अहम जिम्मेदारियां एक ही परिवार के पास हैं। जयचंद यादव ग्राम पंचायत गहोली के प्रधान हैं, उनके भाई महेंद्र यादव पंचायत सहायक हैं, जबकि राशन की दुकान भी परिवार से जुड़ी बताई जा रही है। साथ ही सामुदायिक शौचालय का संचालन भी इनके समूह के पास होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब ग्राम निधि से मन नहीं भरा तो गरीबों को बहलाकर पट्टे के नाम पर लाखों रुपये वसूल लिए गए। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की।

बहन को मौत के घाट उतारने वाला भाई गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। एक महिला की गला घोंटकर भाई ने हत्या कर दी।हत्या कर उसके भाई अजय ने पुलिस को गुमराह करने के लिए झूठी अपहरण की कहानी गढ़ी। बुधवार शाम को उमा कांति का भाई अजय पुत्र रामनरेश उसे ससुराल से अपने साथ ले गया था।वहीं बुधवार की देर रात पुलिस ने महिला का शव बरामद किया। इस घटना में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त शॉल और घटना में इस्तेमाल ई-रिक्शा भी बरामद किया गया है।उमा कांति की शादी 30 नवंबर 2025 को हुई थी।पिता ने बेटी की हत्या का आरोप अजय पर लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। अजय ने घर के अंदर घरेलू विवाद के चलते हत्या करना स्वीकार किया। शव की निशानदेही पर पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं घटना की सूचना मिलने पर दही थाना पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी के निर्देशन में टीमों का गठन किया गया। जांच में पाया गया कि आरोपी ने घटना को छुपाने के लिए अपहरण का झूठा मामला गढ़ा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त शॉल और ई-रिक्शा बरामद किए।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सुनियोजित तरीके से झूठी

अपहरण कहानी गढ़कर जांच को भटकाने का प्रयास किया। लेकिन तकनीकी साक्ष्य और कड़ी पूछताछ के सामने उसका झूठ टिक नहीं सका। घटना से गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच जारी रखे हुए है और साक्ष्यों के आधार पर आगे विधिक कार्रवाई करेगी। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि 18 फरवरी 2026 को थाना दही और डायल 112 पर सूचना मिली कि अजय अपनी सगी बहन को ई-रिक्शा से मायके ले जा रहा था। रास्ते में दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसे रोका, उसके ऊपर कोई पदार्थ छिड़क दिया और बहन को अपहरण कर लिया। अजय ने यह भी बताया कि बहन का सामान गायब हो गया। घर पहुंचकर उसने अपने पिता को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि 18 फरवरी 2026 को थाना दही और डायल 112 पर सूचना मिली कि अजय अपनी सगी बहन को ई-रिक्शा से मायके ले जा रहा था। रास्ते में दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसे रोका, उसके ऊपर कोई पदार्थ छिड़क दिया और बहन को अपहरण कर लिया। अजय ने यह भी बताया कि बहन का सामान गायब हो गया। घर पहुंचकर उसने अपने पिता को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में कुछ बातें संदिग्ध लगीं। विशेषकर यह कि यदि अजय के साथ ऐसी घटना हुई थी, तो वह सुरक्षित घर कैसे पहुंच गया। घटनास्थल दिखाने और गहन पूछताछ के दौरान अजय टूट गया और स्वीकार किया कि उसने ही अपनी बहन की हत्या की है।

अजय ने बताया कि वह नशा करने का आदी है। कुछ दिन पहले उसके पिता ने उसे घर से निकाल दिया था, लेकिन बाद में वह दोबारा घर आ गया। उसे शंका थी कि उसकी बहन ने पिता से शिकायत कर उसे घर से निकवाया था और भविष्य में भी ऐसा हो सकता है। इसी आशंका और ईर्ष्या के चलते उसने बहन की हत्या की साजिश रची। हत्या पुरवा थाना क्षेत्र के जंगल इलाके में हुई। वहां एक छोटा मंदिर और एक कमरा है। अजय ने बहन को मंदिर में ले जाकर प्रसाद निकालने के बहाने झुकी हुई स्थिति में उसका गला शॉल से कसकर दबाया। इसके बाद उसने घटनास्थल पर सामान बिखेर दिया ताकि मामला लूटपाट और अपहरण का प्रतीत हो और पुलिस गुमराह हो जाए।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने झूठी सूचना दी थी कि उसकी बहन का अपहरण हो गया है और उसके साथ जहरखुरानी हुई। वह करीब दो-ढाई घंटे में पूरी साजिश रची। यदि समय रहते मामला उजागर न होता तो यह महिला की लूट के बाद हत्या के रूप में सामने आता।

पुलिस को शक उसी समय हुआ जब अजय ई-रिक्शा लेकर सुरक्षित घर पहुंचा। पिता ने भी बताया कि उनका बेटा नशे का आदी है। स्वाट टीम, थाना दही की टीम और क्षेत्राधिकारी नगर की सक्रियता से आरोपी को तीन-चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। हत्या में प्रयुक्त शॉल और घटना में इस्तेमाल ई-रिक्शा बरामद किया गया।

आरोपी अजय दो भाइयों में से एक है। उसकी चार बहनें हैं, जिनमें से दो की शादी हो चुकी है। मृतका की शादी दो माह पहले हुई थी। आरोपी ई-रिक्शा चलाने का कार्य करता है, जिसे उसके पिता ने उसे दिया था। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है और पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर किये श्रद्धासुमन अर्पित

अमन लेखनी समाचार

भरूआ, सुमेरपुर। देशभक्तों की देश के प्रति भूमिका के मद्देनजर वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा के अन्तर्गत जिनका देश ऋणी है के तहत संस्था के अध्यक्ष डा. भवानीदीन ने एक बेमिसाल हिन्दू शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि शिवाजी वास्तव में एक अप्रतिम योद्धा थे। उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है।इनका जन्म 19 फरवरी 1630 को शाहजी भोंसले और जीजाबाई के घर शिवनेरी किले के कुसूर में हुआ था।ये प्रारम्भ से ही देशसेवी सोच के थे।इन्हें मराठा साम्राज्य का संस्थापक माना जाता है। ये मुगल शासकों से कभी डरे नहीं, सामर्थ्य भर झुके नहीं। औरंगजेब से लोहा लिया।इन्हें छापामार युद्ध का जनक कहा गया। इन्होंने मुगलों से कोंकण तथा बीजापुर में मुकाबला किया।40 किलों पर फतह हासिल की। अफजल खान इन्हें मारना चाहता था किन्तु इन्होंने बगनख से उसे मार दिया था। कालांतर में इनका रायगढ़ दुर्ग में बीमारी के कारण 3 अप्रैल 1680 में निधन हो गया।इस कार्यक्रम में सिद्धा, प्रेम, सागर, प्रिन्स, रिचा , विकास, रामनरायन सोनकर, सोहन सविता, राहुल प्रजापति आदि शामिल रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ मार्ग स्थित मुस्तफाबाद गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार इंटर के छात्र को टक्कर मार दी। यह घटना बुधवार रात करीब दस बजे शराब ठेके के सामने हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के ढकोली गांव निवासी श्याम कुमार के 22 वर्षीय बेटे अंकित के रूप में हुई है। अंकित बुधवार को हरदोई में इंटर की परीक्षा देने गया था और वहां से अपने घर लौट रहा था। वापस लौटते समय अंकित बांगरमऊ से करीब 7 किलोमीटर दूर मुस्तफाबाद गांव स्थित शराब ठेके पर रुका और शराब पी। इसके बाद रात करीब दस बजे ठेके के सामने ही उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। आसपास मौजूद लोगों ने घायल अंकित को सीएचसी बांगरमऊ पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। अंकित की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और परिवार सदमे में है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और गुरुवार को परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने गुरुवार शाम पांच बजे बांगरमऊ के नानामऊ गंगा तट पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पाण्डेय ने बताया कि अंकित इंटर की परीक्षा देकर हरदोई से लौट रहा था और शराब का सेवन करने गया था। इसी दौरान वह अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश के लिए लखनऊ मार्ग पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पिकअप चालक को कब्जे में लेकर मॉल लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज रनिया से रिफाइंड लादकर सलवन जा रही पिकप चालक को कब्जे में लेकर माल लूटने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 192 टीन रिफाइंड,पिकप वाहन को 18 घंटे के अंदर बरामद कर बड़ी सफलता हासिल किया है।घटना में शामिल दो अभियुक्तों को जेल भेजा गया है जबकि अन्य की तलाश जारी है। मौरावा थाना क्षेत्र के ग्राम नौबस्ता निवासी चालक हरिशंकर मंगलवार को अपने पिकप डाले में दो सौ टिन रिफाइंड लादकर रनिया से सलवन रायबरेली उतारने जा जा रहा था अभी वह पुरवा मार्ग पर अचलगंज रेलवे क्रासिंग से दो किमी आगे बढ़ा था कि कार सवार तीन लोगों ने खुद को अधिकारी बता चालक को

मारपीट कर अपनी गाड़ी में बिठाकर चले गए थे कार सवार बदमाशों ने रातों रात पिकप में लदे रिफाइंड को लूट चालक को पोनी गांव के सामने फेक दिया था बुधवार सुबह चालक की सूचना पर थाने पहुंचे ट्रांसपोर्टर ने भाग दौड़ कर लूट का मुकदमा दर्ज कराया था रात में हुई वाहन लूट की घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया। बैक फुट पर आई पुलिस ने रातों रात मुखबिर का जाल बिछाकर महज 18 घंटे में लूट की पूरी वारदात का खुलासा कर माल समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।पकड़े गए आरोपियों में गड़सर निवासी दशरथ व सुपासी का हिमांशू प्रमुख है।जिन्होंने बताया कि वह अधिकारी बनकर रात के अंधेरे में वाहन लूट की घटना को अंजाम दिया है जिनकी निशानदेही पर एक घर में छुपा कर रखा गया 192 टीन रिफाइंड ,पोनी के सामने खड़ी पिकप,चालक का मोबाइल बरामदगी का दावा किया जा रहा है।इंस्पेक्टर बृजेश शुक्ला ने बताया कि घटना में शामिल चार पहिया वाहन तथा अन्य आरोपियों की तलाश जारी है उन्हें अतिशीघ्र गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सचिवों व एसएमसी अध्यक्ष का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। ब्लॉक सभागार में आज दिनांक 19 फरवरी 2026 को विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष एवं सचिवों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी अनीता शाह ने की। कार्यशाला का संचालन एआरपी पीयूष त्रिवेदी द्वारा किया गया, जबकि एआरपी रविकेश ने एसएमसी सचिव एवं अध्यक्षों को प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान एसएमसी अध्यक्षों के दायित्व, कर्तव्यों तथा समिति के विधिवत संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही विद्यालयों में एसएमसी की भूमिका और कार्यप्रणाली को भी विस्तार से समझाया गया। कार्यशाला को प्राथमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश द्विवेदी, जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष तौसीफ अली खान, प्राथमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष आशुतोष श्रीवास्तव, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष सूरज गुप्ता तथा प्राथमिक शिक्षक संघ के संगठन मंत्री सुनील यादव ने भी संबोधित किया और अपने विचार व्यक्त किए।कार्यशाला में प्रमुख रूप से रामनरेश गौड़, नरेंद्र मौर्य, देवेंद्र कुशवाहा, ज्ञानेंद्र कुशवाहा, धर्मेंद्र कुशवाहा, अवनीन्द्र गौड़, विनय कुशवाहा, मालती सिंह, रेखा कुशवाहा, गौरव वैश्य, अमरेंद्र यादव सहित अन्य एसएमसी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सुने पड़े घर से चोरों ने नगदी समेत पार कर दिया जेवरात

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शहर में चोरी की एक और घटना सामने आई है। गदनखेड़ा बाईपास के पास एक कॉलोनी में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया। चोर यहां से नगदी और जेवरात लेकर फरार हो गए। इस वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

सदर कोतवाली क्षेत्र निवासी संदीप यादव अपने परिवार के साथ एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से बाहर गए हुए थे। देर रात चोरों ने सूना घर देखकर मुख्य दरवाजा तोड़कर प्रवेश किया। उन्होंने कमरों में रखी अलमारियों और बक्सों को खंगालकर घर का सामान अस्त-व्यस्त कर दिया।पीड़ित परिवार के अनुसार, चोर घर से एक बैटरी, इन्वर्टर, लगभग 50 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। गुरुवार सुबह पड़ोसियों ने घर का मुख्य दरवाजा टूटा देखा तो उन्हें संदेह हुआ। भीतर जाकर देखने पर सामान बिखरा मिला। पड़ोसियों ने तत्काल संदीप यादव को घटना की सूचना दी।सूचना मिलने पर परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। सदर कोतवाली उन्नाव की टीम घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया। कॉलोनी तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरी का खुलासा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। इंस्पेक्टर कोतवाली सीके मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और मामले का जल्द खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरी का खुलासा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

कोतवाली प्रभारी सीके मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और मामले का जल्द खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुरानी रंजिश में पड़ोसी ने घर में घुसकर पीटा, तीन पर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम गोबरहा में पुरानी रंजिश के चलते एक महिला और उसकी बहन के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पड़ोसी दंपती समेत तीन लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

लात-घूंसों से की पिटाई, सामान फेंका

ग्राम गोबरहा निवासी लक्ष्मी देवी पत्नी संदीप कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को उनके पड़ोसी अमरेन्द्र, उसकी पत्नी पूनम और एक अन्य अज्ञात महिला ने पुरानी रंजिश के चलते विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि इन लोगों ने लक्ष्मी देवी और उनकी बहन मंजू देवी के साथ गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से जमकर मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने घर का सामान बाहर फेंक दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

पहले भी दर्ज हो चुकी है रिपोर्ट

पीड़िता का कहना है कि ये दबंग किस्म के लोग है आरोपियों से उनका विवाद काफी समय से चल रहा है और वह पहले भी इनके खिलाफ शिकायत दर्ज करा चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद विपक्षी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया है।पीड़िता की तहरीर के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार अवस्थी को मामले की जांच सौंपी गई है। नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।₹ राहुल सिंह, थाना प्रभारी, बिहार

सरकारी स्कूल बना रीलबाजों का अड्डा

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। जनपद के सुमेरपुर विकास क्षेत्र के अंतर्गत धर्मदास खेड़ा के कंपोजिट विद्यालय की, मयार्दा को कुछ रीलबाज शर्मसार करते नजर आ रहा है। जिस स्थान पर बच्चों को संस्कार, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की सीख दी जाती है, उसी पवित्र परिसर को अब रीलबाजों ने अपना अड्डा बना लिया है।सोशल मीडिया पर चंद लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स पाने की होड़ में कुछ युवक-युवतियों ने स्कूल की गरिमा को तार-तार कर दिया। विद्यालय परिसर, जहां अनुशासन और शिक्षा का माहौल होना चाहिए, वहां रील बनाकर इसे नृत्यशाला और प्रदर्शन का केंद्र बना दिया गया। हैरानी की बात यह है कि रीलबाजों को जरा सा भी एहसास नहीं रहा कि वे उस स्थान की मयार्दा को ठेस पहुंचा रहे हैं, जिसे समाज में ज्ञान का मंदिर कहा जाता है।यह घटना न सिर्फ स्कूल प्रशासन पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि आखिर विद्यालय परिसर की सुरक्षा और निगरानी कितनी लचर है। अगर इसी तरह स्कूलों को रीलबाजी का अड्डा बनाया जाता रहा, तो आने वाली पीढ़ियों के मन में शिक्षा स्थलों के प्रति सम्मान कैसे बचेगा, यह एक बड़ा सवाल है।जब इस संबंध में हमारे संवाददाता ने अधिकारियों से बात करने की कोशिश की, तो उन्होंने बताया कि उन्हें फिलहाल इस मामले की जानकारी नहीं है। साथ ही आश्वासन दिया कि प्रधानाध्यापक से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ज्ञान के मंदिर की गरिमा बचाने के लिए जिम्मेदार लोग जागेंगे, या फिर स्कूल यूं ही रीलबाजों का अड्डा बने रहेंगे।

क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों ने बोला हमला अंपायर की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियों ने खिलाड़ियों को डंक मारने शुरू कर दिए।यह देखकर अंपायर बचने के लिए भागे, लेकिन गिर गए और मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया।मधुमक्खियों ने 65 साल के अंपायर मानिक गुप्ता को 50 से ज्यादा डंक मारे। करीब 10 मिनट तक मधुमक्खियां उन्हें काटती रहीं। मधुमक्खियों ने खिलाड़ियों, अंपायरों और ग्राउंड स्टाफ समेत 40 से 50 लोगों को काटा।इनमें से अंपायर समेत 10 लोगों को कानपुर के एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने अंपायर की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में उनकी मौत हो गई।घटना गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के राहुल सप्रु मैदान की है। कानपुर के रहने वाले अंपायर मानिक गुप्ता पिछले 30 सालों से कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (डउअ) के लिए अंपायरिंग कर रहे थे। पोस्टमॉर्टम के बाद शव घर पहुंचा तो चीख-पुकार मच गई।पति का शव देखकर पत्नी बेसुध हो गईं। गुरुवार सुबह अंतिम दर्शन के बाद जब शव उठा, तो पत्नी बिलख पड़ी। जिस जगह शव रखा था, वहां बार-बार हाथ फेरती रही। शव भागवत दास घाट पहुंचा तो छोटी बेटी पिता के चेहरे को बार-बार पोंछती रही और अंतिम संस्कार की रस्में निभाईं। पिता को मुखाग्नि दी।अंपायर फीलखाना में परिवार के साथ रहते थे। उनकी चार बेटियां हैं। बड़ी बेटी प्रियंका है। इसके बाद दीपिका और श्वेता हैं। तीनों की शादी हो चुकी है। चौथी बेटी समृद्धि इंटरमीडिएट की छात्रा है। प्रत्यक्षदर्शी और मानिक गुप्ता के साथी अंपायर सुनील कुमार निषाद ने बताया कि बुधवार को राहुल सप्रू मैदान पर अंडर-13 क्रिकेट लीग का मैच था। इसमें मानिक अंपायरिंग करने पहुंचे थे।ग्राउंड में करीब 40-45 लोग मौजूद थे। कुछ खिलाड़ी कानपुर तो कुछ लखनऊ से आए थे। स्टेडियम की बाउंड्रीवॉल से सटकर बरगद का पेड़ है। उसी पर मधुमक्खियों का छत्ता लगा था।सुबह से ही मधुमक्खियां मंडरा रही थीं। मधुमक्खियों ने तीन बार हमला किया।सुबह 7 बजे जब बच्चे ग्राउंड पर पहुंचे और अपनी किट उठाने जा रहे थे, तभी पहली बार मधुमक्खियों ने हमला किया। सुबह 8 बजे कुछ मधुमक्खियों ने खिलाड़ियों को काट लिया। इसके बाद साढ़े 8 बजे अचानक मधुमक्खियों का पूरा झुंड टूट पड़ा। करीब 15 मिनट तक पूरे ग्राउंड में अफरा-तफरी मची रही और मधुमक्खियों ने सभी को काटा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उस समय मानिक गुप्ता मैदान के पास बैठे थे। मधुमक्खियों से बचने के लिए वो भागने लगे, लेकिन गिर पड़े। इसके बाद 50 से अधिक मधुमक्खियों ने उन्हें घेर लिया और करीब 10 मिनट तक लगातार हमला किया। उम्र अधिक होने और हृदय रोगी होने के कारण उनकी हालत बिगड़ गई।पूर्व रणजी खिलाड़ी राहुल सप्रू उन्हें अपनी कार से शुक्लागंज के एक निजी अस्पताल ले गए। प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल ने रेफर कर दिया। इसके बाद उन्हें दो अन्य अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण कहीं भर्ती नहीं किया गया।इसके बाद डउअ के पदाधिकारी उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी सांसें थम गईं। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया।

दहेज उत्पीड़न का मुकदमा, विचाराधीन पति पर दूसरी शादी का आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। एक महिला ने अपने पति पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा विचाराधीन होने के बावजूद दूसरी शादी करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि उसके पति ने गैरकानूनी और गैर-मजहबी तरीके से दूसरा निकाह किया है, जबकि पहला मामला न्यायालय में लंबित है। मोहल्ला दरोगाबाग, थाना कोतवाली सदर, उन्नाव निवासी आसिया खातून पत्नी आरिज ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका निकाह 4 अगस्त 2021 को मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार आरिज के साथ हुआ था। विवाह के समय ससुराल पक्ष की मांग पर दान-दहेज भी दिया गया था। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति आरिज का पहले से ही घर के सामने रहने वाली रेशम पुत्री इलियाश के साथ प्रेम संबंध था, जिसे छिपाकर उससे दहेज के लालच में निकाह किया गया। शादी के बाद पति आरिज, ससुर जुल्फिकार खान, सास सलमा बेगम, ननद समरीन व सना तथा बहनोई शानू खान ने मिलकर उससे अतिरिक्त दहेज की मांग की। मांग पूरी न होने पर उसे गाली-गलौज कर प्रताड़ित किया गया और करीब एक वर्ष पूर्व घर से निकाल दिया गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसे कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई थी। महिला ने बताया कि उसने इस मामले की शिकायत थाना बांगरमऊ में की थी, जहां दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज हुआ था। यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। इसके बावजूद, उसके पति आरिज ने 9 फरवरी 2026 को अपने घर में ही रेशम के साथ निकाह कर लिया। पीड़िता का आरोप है कि इस निकाह को मौलाना द्वारा पढ़ाया गया और विरोध करने पर उन्हें कथित तौर पर धमकी भी दी गई। आसिया खातून ने बताया कि उसकी चार वर्ष की एक पुत्री भी है और वह इस घटना से बेहद परेशान है। उसने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि विचाराधीन मुकदमे के दौरान दूसरी शादी करने के मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि उसे और उसकी पुत्री को न्याय मिल सके।

आगामी पर्व को देखते जनपद में धारा 163 लागू

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद में आगामी पर्व-त्योहारों और संभावित जनसमूह को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से धारा 163 लागू कर दी गई है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए बताया कि यह धारा आगामी 18 मार्च तक प्रभावी रहेगी। धारा 163 के तहत सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की भीड़, सभा, जुलूस या प्रदर्शन पर रोक रहेगी। साथ ही, धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष सतर्कता बरती जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कदम पूरी तरह एहतियातन उठाया गया है ताकि जिले में अमन-चैन बना रहे और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।जिले में आगामी दिनों में होली पर्व, जयंती और कई अन्य सामाजिक-धार्मिक आयोजनों को लेकर पुलिस और प्रशासन पहले से ही सतर्क है। इसके अतिरिक्त, हाल ही में वक्फ बोर्ड से संबंधित प्रस्तावित विधेयक को लेकर विभिन्न संगठनों में असंतोष की संभावना को देखते हुए भी धारा 163 को लागू किया गया है।पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि धारा 163 लागू होने के बाद जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में गश्त बढ़ाएं और किसी भी प्रकार की गतिविधि पर कड़ी नजर रखें। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी के लिए सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों की सहायता ली जा रही है। प्रशासन ने साफ किया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने या धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। धारा 163 लागू होने के बाद जिला प्रशासन ने विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उनसे सहयोग की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि यह आदेश किसी विशेष वर्ग या समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि जिले की शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए है।जिलाधिकारी गौरांग राठी ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा भी दर्ज किया जा सकता है।

सम्पादकीय

भारतीय वायुसेना को नई मजबूती देगी राफेल डील

भारत और फ्रांस के बीच प्रस्तावित 114 राफेल लड़ाकू विमानों की डील केवल एक रक्षा खरीद नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की सामरिक सोच का संकेत है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान जिस 3.60 लाख करोड़ रुपये के संभावित समझौते पर चर्चा हो रही है, वह भारतीय वायुसेना की क्षमताओं में गुणात्मक बढ़ोतरी कर सकता है। दो मोर्चों चीन और पाकिस्तान की चुनौती के बीच यह सौदा रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास करीब 29 स्क्वाड्रन ऑपरेशनल हैं, जबकि आधिकारिक मंजूरी 42.5 स्क्वाड्रन की है। यानी लगभग 13 स्क्वाड्रन की कमी पहले से ही चिंता का विषय है। आने वाले दशक में जगुआर, मिग-29 और मिराज-2000 जैसे विमानों के चरणबद्ध सेवानिवृत्त होने से यह अंतर और बढ़ सकता है। ऐसे में नई पीढ़ी के अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की तत्काल आवश्यकता स्पष्ट है। राफेल पहले ही अपनी उपयोगिता सिद्ध कर चुका है। हालिया अभियानों में इसकी लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल क्षमता, अत्याधुनिक रडार और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम ने वायुसेना को सामरिक बढ़त दिलाई है। वर्तमान में भारत के पास एफ-3 मानक के राफेल हैं, जो 4.5 जेनरेशन के लड़ाकू विमान माने जाते हैं। प्रस्तावित डील के तहत एफ-4 और बाद में एफ-5 श्रेणी के 'सुपर राफेल' मिलने की संभावना है। यूरोपीय मानकों के अनुसार एफ-5 को छठी पीढ़ी के जेट की श्रेणी में रखा जा रहा है। यदि यह समयसीमा के अनुसार 2030 के बाद मिलते हैं, तो भारत फ्रांस के बाद इन अत्याधुनिक विमानों का प्रमुख ऑपरेटर बन सकता है। इस डील का एक और महत्वपूर्ण पहलू 'मेक इन इंडिया' है। कुल 114 विमानों में से 18 सीधे उड़ान-योग्य अवस्था में मिलेंगे, जबकि 96 का निर्माण भारत में होगा। इनमें लगभग 60 प्रतिशत कलपुर्जों का स्वदेशीकरण प्रस्तावित है। इससे भारतीय एयरोस्पेस उद्योग को नई गति मिलेगी, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी और हजारों रोजगार सृजित होंगे। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक निर्णायक कदम साबित हो सकता है। हालांकि, कुछ सवाल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। चीन पहले ही छठी पीढ़ी के विमानों के विकास में आगे बढ़ चुका है। ऐसे में भारत को केवल प्लेटफॉर्म खरीदने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास पर भी समान बल देना होगा। क्या 42.5 स्क्वाड्रन का लक्ष्य अगले दशक में पूरा हो पाएगा? क्या समय पर आपूर्ति और लागत नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सकेगा? ये वे प्रश्न हैं जिन पर सरकार और रक्षा प्रतिष्ठान को पारदर्शिता के साथ काम करना होगा। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी रक्षा सहयोग से कहीं व्यापक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच वार्ता केवल विमानों की खरीद तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उभरती प्रौद्योगिकियों, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक भू-राजनीति पर भी केंद्रित होगी। कुल मिलाकर 114 राफेल की संभावित डील वायुसेना के लिए 'ऑक्सीजन' साबित हो सकती है, लेकिन इसे दीर्घकालिक सामरिक दृष्टि से जोड़ना आवश्यक है। मजबूत वायुशक्ति केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि शांति और संतुलन की गारंटी भी होती है।

मुद्दा
रोहित महेश्वरी

20 फरवरी से लागू होने जा रहे इन नियमों के तहत अब एआई से तैयार किए गए फोटो और वीडियो पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही फेक कंटेंट को हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर तीन घंटे कर दी गई है। अब साइबर अपराधी कंपनियों की तरह संगठित ढांचे में काम कर रहे हैं। इनके पास भर्ती करने वाली टीम, वेतन और प्रमोशन देखने वाले लोग और यहां तक कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट यूनिट भी होती है। एआई ने साइबर अपराध को पहले से कहीं ज्यादा संगठित तेज और खतरनाक बना दिया है। वैसे भी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की संख्या और कंटेंट की मात्रा इतनी अधिक है कि केवल नियमों के सहारे नियंत्रण करना आसान नहीं होगा। इसके लिए तकनीकी निगरानी तंत्र को मजबूत, प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करना और उल्लंघन पर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना आवश्यक है।

अब एआई कंटेंट की होगी बेहतर निगरानी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने जहां दुनिया को तेज और स्मार्ट बनाया है, वहीं इसके दुरुपयोग ने भी गंभीर चिंता पैदा कर रखी है। डीपफेक वीडियो, फर्जी तस्वीरें और एआई जनित भ्रामक सामग्री न केवल लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि साइबर ठगी और सामाजिक भ्रम का कारण भी बन रही हैं। इन खतरों के मद्देनजर केंद्र सरकार की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में किए गए हालिया संशोधन को डिजिटल दुनिया में बढ़ती चुनौतियों के बीच एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है। आगामी 20 फरवरी से लागू होने जा रहे इन नियमों के तहत अब एआई से तैयार किए गए फोटो और वीडियो पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही फेक कंटेंट को हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर तीन घंटे कर दी गई है। नए प्रावधानों के तहत एआई कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ने की अनिवार्यता भी तय की गई है, ताकि ऐसे कंटेंट की पहचान आसानी से की जा सके। यह बदलाव डिजिटल पारदर्शिता और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय कंपनियों के लिए साइबर सुरक्षा अब सबसे बड़ी चुनौती है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल, जैसे कि चैटजीपीटी की मदद से नकली आधार और पैन कार्ड बनाए जा सकते हैं। इस रिपोर्ट ने एआई के संभावित दुरुपयोग की क्षमता के बारे में नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। एक नए सर्वे में 51 फीसदी बिजनेस लीडर्स ने इसे प्राथमिक जोखिम माना। 'फिक्की-ईवाय रिस्क सर्वे 2026' की रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। इसमें डिजिटल युग के बढ़ते खतरों पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तकनीकी जोखिम अब सीधे कंपनी के कामकाज से जुड़ गए हैं। सर्वे के अनुसार, 61 फीसदी लोग साइबर हमलों से डरे हुए हैं। डेटा चोरी और धोखाधड़ी को 57 फीसदी ने बड़ा जोखिम माना। लगभग 47 फीसदी कंपनियां इन आधुनिक खतरों से निपटने में नाकाम हैं। साइबर हमलों से कंपनियों की प्रतिष्ठा और वित्त पर असर पड़ता है। डिजिटल बदलाव कंपनियों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। यह सर्वे 137 सीईओ और सीनियर डिसीजन-मेकर्स पर आधारित है। इसमें 21 फीसदी प्रतिभागी टेक्नोलॉजी सेक्टर से थे। प्रोफेशनल सर्विसेज दूसरे नंबर पर। साइबर अटैक अब सिर्फ आईटी मुद्दा नहीं। यह ऑपरेशनल कंटिन्यूटी से जुड़ा है। 61 फीसदी लीडर्स मानते हैं कि साइबर हमले वित्तीय और रेपुटेशनल खतरा हैं। तेज टेक्नोलॉजिकल बदलावों को 61 फीसदी कंपनियां प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाला मान रहे हैं। सर्वे के अनुसार, आज के दौर में एआई एक 'दोधारी तलवार' बन गया है। करीब 60 फीसदी विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी पिछड़ापन घातक है। सही समय पर नई तकनीक न अपनाना नुकसानदेह हो सकता है। वहीं, 54 फीसदी लोग एआई के एथिकल और गवर्नेंस संबंधी जोखिमों से चिंतित हैं। इन जोखिमों का प्रबंधन अभी भी प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा है। ग्लोबल साइबरपीस समिट 2026 में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार 2024–2025 के दौरान दर्ज साइबर हमलों में एआई और ऑटोमेशन का व्यापक इस्तेमाल देखने को मिला है। अब साइबर अपराधी किसी छोटे गैंग की तरह नहीं, बल्कि कंपनियों की तरह संगठित ढांचे में काम कर रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और भारत के कुछ हिस्सों से संचालित ये नेटवर्क अलग-अलग विभागों में बंटे हुए हैं। इन गिरोहों

के पास भर्ती करने वाली टीम, वेतन और प्रमोशन देखने वाले लोग और यहां तक कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट यूनिट भी होती है। ये टीमें टेक्नोलॉजी की कमियों और इंसानी व्यवहार की कमजोरियों को खोजकर उनका फायदा उठाती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में साइबर अपराध से दुनिया को लगभग 10.8 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होने का अनुमान था, जो इस साल करीब 12 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। कई अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों का दावा है कि अब लगभग 80 प्रतिशत साइबर हमलों में किसी न किसी रूप में एआई की भूमिका है। एआई का इस्तेमाल अब डीपफेक तकनीक में भी हो रहा है।

डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में अपराधी किसी प्रसिद्ध पुलिस अधिकारी का चेहरा और आवाज नकली तरीके से दिखाकर पीड़ित को डराते हैं, जिससे वह खुद को असली अधिकारी से बात करते हुए समझता है। साइबर अपराध में अब ट्रिपल एक्सटॉर्शन मॉडल भी सामने आया है। इसमें पहले रैनसमवेयर से डेटा लॉक किया जाता है फिर उसे लीक करने की धमकी देकर पैसे वसूले जाते हैं। इसके अलावा क्राइम-एस-ए-सर्विस का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ रहा है। इसमें संगठित गिरोह उन लोगों को भी अपराध की सुविधा देते हैं जिनके पास तकनीकी जानकारी नहीं होती। यानी पैसे दो और तैयार साइबर क्राइम सेवा लो। इस तरह के मामलों में कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तक ठगी का शिकार हो चुके हैं। साफ है कि एआई ने साइबर अपराध को पहले से कहीं ज्यादा संगठित तेज और खतरनाक बना दिया है। वर्तमान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के तो कई तरीके मौजूद हैं, लेकिन इन्हें किस हद तक इस्तेमाल में लाया जाना चाहिए, इसके लिए नियम-कानूनों का अभाव है। हमारा देश और दुनिया भी एआई के बढ़ते कदमों और उसके प्रभावों को लेकर गंभीर है। इसी क्रम में दिल्ली के भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आगाज हो रहा है। 20 फरवरी तक चलने वाले इस महाकुंभ में दुन्यिा की 300 से ज्यादा कंपनियां भविष्य की तकनीक दिखाएंगी। खेती से लेकर सेहत तक, एआई आपकी जिंदगी को कैसे आसान बनाएगा, इसकी पूरी झलक यहां देखने को मिलेगी। आईटी के नए नियमों का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि अब एआई से बने कंटेंट को छिपाना आसान नहीं रहेगा। लेबलिंग व डिजिटल पहचान चिह्न से आम व्यक्ति यह समझ सकेगा कि उसके सामने मौजूद सामग्री वास्तविक है या तकनीक से तैयार की गई है। इससे सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक अभियानों पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। चुनाव, सामाजिक मुद्दों और संवेदनशील घटनाओं के दौरान यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी सुरक्षित रखने में सहायक होगी, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। इन तमाम बातों के बीच सवाल यह भी है कि सिर्फ नियम-कायदे बनाना ही काफी नहीं, बल्कि इन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। वैसे भी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की संख्या और कंटेंट की मात्रा इतनी अधिक है कि केवल नियमों के सहारे नियंत्रण करना आसान नहीं होगा। इसके लिए तकनीकी निगरानी तंत्र को मजबूत करना, प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करना और उल्लंघन की स्थिति में त्वरित दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना आवश्यक है। क्योंकि यदि नियमों का पालन ढीला रहा, तो इनका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। इसके साथ ही नागरिकों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है।

लोगों को यह समझना होगा कि हर वायरल वीडियो या तस्वीर सत्य नहीं होती। जागरूक उपयोगकर्ता ही फेक कंटेंट की श्रृंखला को तोड़ सकता है। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। भ्रमजाल फैलने से रोकने के लिए सरकार और समाज दोनों के साझा प्रयासों की दरकार है। साझे प्रयासों से ही एआई का सकारात्मक लाभ हम उठा सकते हैं। वरना हमारी सुविधा के लिए बनी तकनीक हमारे लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है।

सारा संसार

मसानी अम्मन मंदिर मसानी देवी को समर्पित एक मंदिर है, जिन्हें शक्ति देवी के नाम से भी जाना जाता है। यह कोयंबटूर जिले के अन्नामलाई के पंचायत शहर में स्थित है, इसे अरुलमिगु मसानी अम्मन मंदिर या अन्नामलाई मसानी अम्मान मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर बेहद ही आध्यात्मिक है, जिस वजह से लोग यहां खिचे चले आते हैं।

सरोकार

योगेंद्र माथुर

शादी ब्याह में आर्थिक संपन्नता के प्रदर्शन की होड़, अन्न का अपमान

विगत दिनों जब शादी-ब्याह का सिलसिला पुनः चालू हुआ तो मुझे भी एक के बाद एक कई शादियों में शामिल होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। शादी-ब्याह की इस धूमधाम में जाहिर है हमेशा की तरह ही ऐश्वर्य और विलासिता के भरपूर दर्शन हुए। 'तेरी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे?' की तर्ज पर होने वाली होड़ में आयोजक अपनी क्षमता से अधिक पैसा खर्च करते नजर आए। परिणय स्थल यथा- गार्डन, धर्मशाला, लॉज-होटल की चमक बढ़ाने की गरज से टेंट व विद्युत साज-सज्जा पर पैसा पानी की तरह बहता दिखाई दिया। समारोह पांडाल की साज-सज्जा तो ठीक भोजन को भी अपनी सामर्थ्य के प्रदर्शन का माध्यम बना लिया गया हो, ऐसा लगा। भोजन में कुछ नया या नई वैरायटी परोसने की होड़ में निर्मित व्यंजनों का आंकड़ा 56 के भी पार जाता नजर आया। सभी व्यंजनों के नाम तो शायद आयोजक को भी मालूम नहीं होंगे। अब भला खाने वाले 4-5 व्यंजनों से अधिक का स्वाद चख पाएं, न चख पाएं या फिर प्लेट में छोड़ते नजर आएं, आयोजक की आर्थिक संपन्नता का प्रदर्शन तो हो ही गया। कहने या बताने की आवश्यकता नहीं कि ऐसे शादी समारोह में धन के साथ अन्न का भी अपव्यय होना तय है। आप सोचिए, क्या कोई मेहमान चाहकर भी भोजन के अपव्यय को रोक पाएगा? समझदारी दिखाकर वह इतने अधिक पकवानों में से कुछ का स्वाद न भी चखे अथवा प्रत्येक पकवान का एक या आधा टुकड़ा ले तो भी कुछ मात्रा में ही सही भोजन का अपव्यय निश्चित है। हालांकि सभी मेहमानों से इतनी समझदारी की उम्मीद लगाना भी बेमानी ही होगा। हमारे देश में जब से 'बुफे' संस्कृति का विस्तार हुआ है, भोजन का अपव्यय भी बढ़ा है। इसमें बुफे संस्कृति की बुराई जैसी कोई बात नहीं है। कमी हममें ही है क्योंकि इसके सही तौर-तरीकों के पालन के संस्कार हमारे यहां नहीं पनप पाए हैं। प्रायः शादी समारोह में यही देखने में आता है कि लोग प्लेट में खाना लेते समय, बाद में मिलेगा या बचेगा कि नहीं की सोच के चलते अपनी प्लेट में एक साथ अधिकाधिक खाद्य सामग्री रख तो लेते हैं किंतु बाद में अधिकांश लोग 'जूठन' के रूप में छोड़ देते हैं। ऐसी स्थिति में 56 या अधिक पकवान बन जाएं तो भोजन की बर्बादी को कौन रोक सकता है? हमारी संस्कृति में अन्न के एक-एक दाने का महत्व बताया गया है और अन्न को देवतुल्य माना गया है। ऐसी स्थिति में शादी समारोह में भोजन का 'जूठन' के रूप में फिकना क्या अन्न का तिरस्कार या देवता का अपमान नहीं है? जिस देश में बच्चे भुखमरी व कुपोषण का शिकार बन कर असमय दम तोड़ रहे हों, उस देश में अन्न को अपनी सम्पन्नता के प्रदर्शन का माध्यम बनाना कहां तक उचित है? वैवाहिक आयोजनों के माध्यम से दूसरों की अपेक्षा अपने को कहीं अधिक बड़ा, समर्थ, सक्षम व सम्पन्न बताने की यह अंधी होड़ निश्चित ही बेहद खतरनाक है। उधार का घी पीकर अपनी सम्पन्नता दर्शाने की प्रवृत्ति तो निश्चित ही व्यक्ति, परिवार व समाज को पतन की ओर ले जाने वाली है।

आनंद आपके भीतर है, बाहर खोजने की जरूरत नहीं

संकलित
दर्शन

कल्पना क्या है और सच्चाई क्या है! इसे समझने के लिए आपकी जड़ का मजबूत होना जरूरी है। सारी कल्पनाएं आपके अंदर हैं। यह कल्पना नहीं है, यह सच है। कल्पना में डूबना बड़ा आसान है, सच्चाई को जानना बहुत मुश्किल है। जिसको आप खोज रहे हैं, वह आपके अंदर है। उसे जानिए, पहचानिए, उसके साथ थोड़ा समय बिताइए, क्योंकि उसमें सबकुछ है। जो आपके भीतर है, वह है शांति। किसी चीज का न होना शांति नहीं है। किसी चीज का होना शांति है। जब मनुष्य खुद को जानेगा, खुद को समझेगा, तब उसके जीवन में शांति होगी। जैसे भोजन खा लेने पर भूख खत्म होती है, उसी प्रकार खुद को जान लेने पर तृष्णा मिट जाती है। शांति मिल जाती है। सोचें कि यह शरीर आपको क्यों मिला है? जिन तत्त्वों से शरीर बना है, वे सारे तत्त्व वहीं वापस चले जाएंगे जहां से ये आये थे। जिस तरह पानी, पानी में मिल जाता है। सारी चीजें प्रकृति में घुल जाएंगी। क्या समझते हैं आप कि जब बच्चा पैदा होता है तो इस धरती का वजन बढ़ता है! या जब कोई मर जाता है तो इस धरती का वजन कम होता है! वजन न तो बढ़ता है न कम होता है। क्योंकि जिन चीजों से आप बने हुए हैं वे तो अभी यही हैं। परंतु क्या आपने उस चीज को जाना, समझा जो आपके शरीर के अंदर है? इसे जान गए, पहचान गए, फिर आनंद ही आनंद है। आपका नाम आपके शरीर का नाम है। नाम कमाने से क्या होगा। नाम नहीं, ज्ञान कमाइये। आनंद कमाइए। ये आप अपने साथ ले जा सकते हैं। जहां जाएंगे, वहां ले जा सकते हैं।

रावण की वजह से बना बैद्यनाथ मंदिर

संकलित
प्रेरणा

त्रेता युग की घटना है। रावण शिव जी का परम भक्त था। रावण ने हिमालय क्षेत्र में शिवलिंग बनाकर कठोर तप किया था। इस तप से शिव जी प्रसन्न होकर प्रकट हुए। भगवान ने रावण से वरदान मांगने के लिए कहा। रावण ने शिव जी से कहा कि मैं आपका ये शिवलिंग लंका में स्थापित करना चाहता हूं। शिव जी ने रावण की इच्छा पूरी होने का वरदान दिया, लेकिन साथ में ये भी कहा कि रास्ते में तुम ये शिवलिंग जहां रख दोगे, शिवलिंग वहीं स्थापित हो जाएगा। इसके बाद तुम ये शिवलिंग आगे नहीं ले जा पाओगे। रावण ने शिव जी का बात मान ली और शिवलिंग उठाकर लंका की ओर चल दिया। रास्ते में रावण ने गलती से एक जगह शिवलिंग रख दिया। थोड़ी देर बाद वह शिवलिंग फिर से उठाने लगा, लेकिन शिवलिंग वहीं स्थापित हो गया था। बहुत कोशिश करने के बाद भी रावन शिवलिंग को उठा नहीं सका। अंत में हिम्मत हारकर रावण वहां से चला गया। रावण के जाने के बाद सभी देवी-देवता, ऋषि-मुनि और अन्य लोग इस शिवलिंग के पास पहुंचे और शिव पूजा की। सभी की पूजा से भगवान प्रसन्न हुए और प्रकट हुए। सभी भक्तों ने शिव जी से प्रार्थना की कि अब से वे यहीं निवास करें, ताकि भक्त आसानी से दर्शन-पूजन कर सके और उनका कल्याण हो सके। भक्तों की बात सुनकर शिव जी इसी शिवलिंग में ज्योति स्वरूप में विराजित हो गए। बाद ये ज्योतिर्लिंग बैद्यनाथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

अंतर्मन

आज की पाती

स्वतंत्रता का अनुचित प्रयोग

कुछ कथित उच्च शिक्षित, जाहिल, गंवार लोग जब सार्वजनिक रूप से (विशेषकर सोशल मीडिया पर) सड़कछाप व्यवहार करने लगते हैं तो ऐसे मूर्ख लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उसी क्षण खत्म हो जाती है। कला और विचार प्रकट करने की आजादी के नाम पर किसी को भी देश, समाज में अश्लीलता फैलाने के उपद्रव को दुनिया का कोई भी सभ्य- सुसंस्कृत संविधान कभी कोई स्वतन्त्रता प्रदान नहीं करता। ऐसे सर्वथा अवांछित, अप्रिय, समाज विरोधी कार्य करने वालों का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन करने वाले सभी आधुनिक मनोरोगी भी उतने ही बड़े अपराधी माने जाने चाहिए। सिर्फ मजाक के नाम पर ही नहीं, कई बार गंभीर मुद्रा में प्रदर्शन करते हुए भी कुछ पॉडकास्ट पर दुर्जन लोग गंदी, अश्लील, अभद्र, अशोभनीय बातें करते हैं। आजादी का अनुचित लाभ नहीं उठाना चाहिए। *- संदीप सरकार, बिलासपुर*

करंट अफेयर

महिला के गरिमा को ठोस एनआरआई को मिली जेल

सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उसके खिलाफ आपराधिक बल प्रयोग करने के जुर्म में पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' अखबार में सोमवार को प्रकाशित खबर में यह जानकारी दी गई। खबर के मुताबिक, शुक्रवार को सजा के एलान के दौरान अदालत ने कहा कि 42 वर्षीय ओम कुमार राय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। खबर में कहा गया है कि अदालती दस्तावेज से पीड़िता का नाम और घटनास्थल का विवरण हटा दिया गया है।

ऑफ बीट

नियमित व्यायाम डिमेंशिया से बचाव में है कारगर

जैसे-जैसे डिमेंशिया के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ रही है, वैसे-वैसे रोकथाम के उपाय जानने की दिलचस्पी में भी इजाफा हो रहा है। मीडिया में आई खबरों में नियमित व्यायाम, स्वस्थ खानपान, दिमागी कसरत और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी को डिमेंशिया के जोखिम में कमी लाने के लिए कारगर बताया गया है। डिमेंशिया तंत्रिका-तंत्र से जुड़ा एक विकार है, जिसमें याददाश्त, सोचने-समझने एवं फैसले लेने की शक्ति और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित होती है।

ट्रेंड

देश तेजी से प्रगति कर रहा

यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के लिए दुनियाभर से लोग भारत आ रहे हैं। इससे हमारे युवाओं के सामर्थ्य का भी पता चलता है। यह अवसर इस बात का भी प्रमाण है कि हमारा देश विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। -**नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

दिल्ली की सुरक्षा होगी सुदृढ़

दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को और भी अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में आज दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस समारोह में ₹857 करोड़ की लागत से निर्मित 'सेफ सिटी प्रोजेक्ट' का लोकार्पण किया। साथ ही, ₹368 करोड़ की लागत से स्पेशल सेल के इंटीग्रेटेड हेडक्वार्टर का ई-शिलान्यास किया। -**अमित शाह**, गृहमंत्री

शंकर से प्रेरणा लेती है सेना

सैनिकों के अंदर की भावना हमारी संस्कृति से, भगवान शिव की प्रेरणा से आती है। डर से समाज लंबे समय तक सुरक्षित नहीं हो सकता। एक निडर समाज ही मजबूत राष्ट्र बना सकता है। निडरता आध्यात्मिकता से आती है। -**राजनाथ सिंह**, रक्षामंत्री

गिग वर्कर को मिले सुरक्षा

'कुछ दिन पहले जनसंसद में गिग वर्कर्स के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात हुई। बातचीत से साफ हुआ कि गिग अर्थव्यवस्था के फायदे मजदूरों तक पहुंचाने के लिए मजबूत और जिम्मेदार सरकारी कार्रवाई जरूरी है। महिला गिग वर्कर दोहरे शोषण का शिकार है, आर्थिक असुरक्षा के साथ-साथ सम्मान और सुरक्षा का अभाव। -**राहुल गांधी**, कांग्रेस सांसद

संक्षेप

धोखाधड़ी-जालसाजी मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जगदीशपुर पुलिस ने अमेठी से पकड़ा, गैर-जमानती वारंट जारी था

जगदीशपुर , भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सरवनन टी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में 16 फरवरी की देर रात्रि को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने यह गिरफ्तारी की। पुलिस ने मु0अ0सं 140/24, धारा 420, 467, 468, 471 भादवि से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त अमित द्विवेदी (28 वर्ष) को गिरफ्तार किया। वह ग्राम बेसारा पश्चिम, थाना मुसाफिरखाना, जनपद अमेठी का निवासी है। आरोपी पर धोखाधड़ी और जालसाजी के गंभीर आरोप हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी अमित द्विवेदी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ जनपद अमेठी और मुसाफिरखाना थाने में मारपीट, धमकी और अन्य गंभीर अपराधों से संबंधित विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। इस गिरफ्तारी अभियान में थानाध्यक्ष तनुज कुमार पाल, उपनिरीक्षक बृजेश कुमार यादव और कांस्टेबल रविन्द्र सिंह की टीम शामिल थी। भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना प्रभारी तनुज पाल ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ यह सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अधिवक्ताओं का 46वें दिन प्रदर्शन जारी

एसडीएम के स्थानांतरण की मांग तेज, न्यायिक कार्य ठप्प

अमेठी , मुसाफिरखाना तहसील में अधिवक्ताओं का आंदोलन मंगलवार को 46वें दिन भी जारी रहा। अधिवक्ता एसडीएम अभिनव कन्नौजिया के स्थानांतरण की मांग कर रहे हैं, जिसके कारण न्यायिक कार्य लगातार प्रभावित हो रहे हैं। मंगलवार को अधिवक्ताओं ने सड़क पर बैठकर जोरदार नारेबाजी की। उन्होंने एसडीएम अभिनव कन्नौजिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके तत्काल स्थानांतरण की मांग दोहराई। अधिवक्ताओं का कहना है कि डेढ़ महीने से अधिक समय से चल रहे इस प्रदर्शन के बावजूद उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। दूसरी ओर, एसडीएम अभिनव कन्नौजिया गांव-गांव चौपाल लगाकर जनसुनवाई कर रहे हैं और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर जनसमस्याओं के निस्तारण की प्रक्रिया जारी है, लेकिन तहसील परिसर में अधिवक्ताओं की हड़ताल से न्यायिक कार्य ठप्प हैं। लगातार चल रही इस हड़ताल के कारण वादकारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दराज से आने वाले कई लोग बिना अपना कार्य कराए ही निराश होकर वापस लौटने को मजबूर हैं। बार एसोसिएशन मुसाफिरखाना के अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला ने कहा कि वे अधिवक्ताओं के मान-सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मंडलीय बाल उत्सव प्रतियोगिता में बहराइच के बच्चों ने लहराया परचम

राज्य स्तरीय आयोजन में शामिल होंगे बहराइच के तीन बच्चे

अमन लेखनी समाचार /संतोष मिश्रा

बहराइच। देवीपाटन मंडल गोंडा में आयोजित 'स्वाभिमान और सफलता की ओर' मंडलीय बाल उत्सव में बहराइच के बच्चों ने अपना परचम लहराया। मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील की अध्यक्षता में आयोजित मीना मंच और सेल्फ स्टीम कार्यक्रम में देवीपाटन मंडल के सभी जनपदों से 10-10 विजेता बच्चों ने प्रतिभाग किया जिसमें बहराइच के 3 बच्चे कविता, निधी और आकाश ने सफलता हासिल की है।

मंडलीय प्रतियोगिता में विजयी बच्चे राज्य स्तरीय आयोजन में शामिल होगें।

राकेश कुमार पांडेय संयुक्त विकास आयुक्त देवीपाटन मंडल एवं सहायक उप शिक्षा निदेशक राम सागर पति त्रिपाठी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी जनपदों के डीसी बालिका, जिला नोडल मीना मंच, मास्टर ट्रेनर मीना मंच, विजेता बच्चे और सहयोगी सुगम कर्ता शिक्षक साथियों की महत्वपूर्ण महती भूमिका रही। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा अनुराग शर्मा के नेतृत्व में राकेश मौर्य जिला नोडल मीना मंच कार्यक्रम, मीना मंच कार्यक्रम संदर्भदाता संदीप कुमार मेहरोत्रा, शिक्षक हेमंत यादव, सुरभि पांडेय, प्रिया जैन, दुर्रे ताज, मालती विश्वकर्मा, राम अशीष सिंह एवं प्रिया राव ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर का आगमन

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी ने बताया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (बाल एवं बधुआ श्रम) के स्पेशल मॉनिटर धनन्जय टिंगल जनपद बहराइच के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत 19 फरवरी को अपरान्ह में जनपद पहुंचकर लो.नि.वि. बहराइच के निरीक्षण गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। श्री टिंगल 20 फरवरी 2026 को जनपद में बाल एवं बधुआ श्रम से संबंधित अधिनियमों के क्रियान्वयन तथा उक्त से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु पूर्वान्ह 11:00 बजे निरीक्षण भवन में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी तथा संबंधित गैर सरकारी संगठनों के साथ बैठक करेंगे। श्री टिंगल बैठक के उपरान्त अपरान्ह 02:00 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जायेंगे।

राह-ए-इंसानियत ट्रस्ट ने की आर्थिक सहायता, सराहना

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। अयोध्यापुरवा, सुजौली निवासी रईस पुत्र सुबराती कुछ दिन पूर्व एक गंभीर दुर्घटना का शिकार हो गए, जिसमें उनकी कमर की हड्डी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के पश्चात उनका परिवार गहरे आर्थिक एवं मानसिक संकट से जूझ रहा था। सीमित आय और कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण उनके समुचित उपचार में लगातार बाधाएँ उत्पन्न हो रही थीं।परिवार के सामने एक ओर घायल रईस की असहनीय पीड़ा थी, तो दूसरी ओर बढ़ते इलाज के खर्च की चिंता। ऐसे संवेदनशील और कठिन समय में मानवता का परिचय देते हुए राह-ए-इंसानियत ट्रस्ट, कतर्नियाघाट (थाना सुजौली), जनपद बहराइच ने आगे बढ़कर आर्थिक सहायता प्रदान की। ट्रस्ट द्वारा दी गई सहयोग राशि से न केवल उपचार की प्रक्रिया को गति मिली, बल्कि परिवार को मानसिक संबल और आशा भी प्राप्त हुई। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य धर्म, जाति और समुदाय से ऊपर उठकर प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुँचाना है। ट्रस्ट का मानना है कि हिंदूझमुस्लिम एकता, आपसी सौहार्द और इंसानियत ही समाज की वास्तविक शक्ति है। इसी भावना के साथ संस्था निरंतर समाजसेवा और जनहित के कार्यों में सक्रिय है। स्थानीय ग्रामीणों एवं गणमान्य नागरिकों ने ट्रस्ट की इस सराहनीय पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक प्रयास समाज में भाईचारे, करुणा और संवेदनशीलता को सुदृढ़ करते हैं।

ट्रस्ट ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि रईस शीघ्र पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें और जल्द ही सामान्य जीवन में लौटें।

कैसरगंज में ग्राम सभा की जमीन पर कब्जा!

4 साल बाद भी आदेश हवा में, अब प्रशासन सख्त

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर/कैसरगंज, बहराइच।

तहसील कैसरगंज क्षेत्र के ग्राम पुरैनी में सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जे का मामला एक बार फिर चर्चा में है। हैरानी की बात यह है कि इस अतिक्रमण को हटाने के लिए न्यायालय द्वारा करीब चार वर्ष पूर्व ही आदेश पारित किया जा चुका है, इसके बावजूद अब तक जमीन कब्जामुक्त नहीं हो सकी।

मामला परगना हिसामपुर स्थित ग्राम पुरैनी की गाटा संख्या 257 रकबा 0.010 हेक्टेयर से जुड़ा हुआ है। उक्त भूमि ग्राम सभा की संपत्ति है, जिस पर अवैध कब्जे को लेकर धारा 67(1) के अंतर्गत ग्राम सभा पुरैनी बनाम सन्तराम के नाम से वाद योजित किया गया था। इस वाद में न्यायालय असिस्टेंट कलेक्टर/तहसीलदार कैसरगंज द्वारा दिनांक 31 अगस्त 2021 को स्पष्ट आदेश पारित करते हुए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे।

इसके बावजूद वर्षों तक आदेश का अनुपालन नहीं हुआ, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह भी सवाल अपने आप मे बना हुआ है कि इस बार ग्राम सभा की जमीन वास्तव में कब्जामुक्त हो पाएगी या फिर न्यायालयी आदेश एक बार फिर कागजों तक ही सीमित रह जाएंगे।

चांद दिखने के साथ ही पवित्र माह रमजान की हुई शुरूआत

बाजारों में बढ़ी रौनक और इबादत का दिखा माहौल

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। इस्लाम धर्म के पवित्र माह रमजान की शुरूआत बृहस्पतिवार से हो गई। बुधवार शाम इस्लामी धर्मगुरुओं द्वारा चांद देखे जाने की पुष्टि के बाद रमजान उल मुबारक के आगाज का ऐलान किया गया। चांद नजर आते ही मुस्लिम समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई और लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी।

रमजान शुरू होते ही मस्जिदों में नमाज और इबादत का सिलसिला तेज हो गया है। रोजेदार अल्लाह की इबादत में जुट गए हैं और पांचों वक्त की नमाज के साथ विशेष तरावीह नमाज भी अदा की जा रही है। मस्जिदें नमाजियों से भरी नजर आ रही हैं तथा पूरे माहौल में धार्मिक आस्था और आध्यात्मिकता का वातावरण दिखाई दे रहा है। रमजान को लेकर बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। रोजा खोलने (इफ्तार) और सहरी की तैयारी के लिए लोग बड़ी संख्या में खरीदारी करने बाजार पहुंच रहे हैं। फल, खजूर, सेवई, पकवान और अन्य जरूरी सामानों की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है, जिससे बाजारों में रौनक लौट आई है। चारों ओर रमजान की धूम दिखाई दे रही है और लोग इस पवित्र महीने में ज्यादा से ज्यादा इबादत कर रहमतों और बरकतों की दुआ मांग रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के हड़हा गांव में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ है। परिजनों ने पड़ोसियों पर पुरानी रंजिश के चलते हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मुन्नी लाल सोनकर (55) पुत्र मधुशंकर के रूप में हुई है। वह पेशे से किसान थे और गांव में खेती-किसानी का कार्य करते थे। उनके परिवार में पत्नी प्रेम सुंदरी, तीन बेटे रामरत्न, सरवन और रत्नेश तथा तीन बेटियां अर्चना, ममता देवी और उमा शामिल हैं। परिजनों के अनुसार, बुधवार शाम को मुन्नी लाल अपने खेत में पानी लगाने के लिए घर से निकले थे। उनका खेत गांव से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित है। उनके साथ उनका बेटा सरवन भी खेत तक गया था। बताया गया कि सरवन इंजन चालू करने के लिए गया, जबकि मुन्नी लाल खेत की ओर बढ़ गए। कुछ देर बाद जब वह दिखाई नहीं दिए तो परिवार को चिंता हुई। इसी दौरान बड़ा बेटा रामरत्न अपने पिता को खाना देने खेत पर पहुंचा, लेकिन वहां मुन्नी लाल नहीं मिले। काफी देर तक आसपास तलाश की गई। करीब दो घंटे की खोजबीन के बाद उनका शव खेत के पास नदिया किनारे पड़ा मिला। परिजनों का आरोप है कि मुन्नी लाल की हत्या की गई है। उन्होंने पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों पर संदेह जताते हुए कहा कि मुन्नी लाल को दो दिन पहले ही जान से मारने की धमकी मिली थी। परिवार का कहना है कि पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है।सूचना मिलने पर अचलगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार को पोस्टमार्टम के दौरान परिजन आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते रहे।

तहसील भवन अपनी बदहाली पर बहा रहा आंसू

खिड़कियों के टूटे शीशे कर रहे किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। बीघापुर तहसील मुख्यालय पाटन भवन तीन मंजिल का बना हुआ भवन में दूसरी व तीसरी मंजिल पर कुछ विभागों के कार्यालय भी खुले हुए हैं मुख्य रूप से चकबंदी विभाग माल विभाग रजिस्ट्री ऑफिस रसद एवं पूर्ति विभाग इत्यादि महत्वपूर्ण विभाग होने के कारण दूर-दूर से आए हुए वृद्ध व बुजुर्ग उन ऑफिस में लगातार प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में लोग आते जाते हैं भवन में दो तरफ से जीने बने हुए हैं जीने में बाहर को देखने के लिए लोहे की खिड़की और उसमें लगे कांच के शीशे पहले लगे हुए थे वर्तमान समय में लगभग सभी शीशे पूर्ण रूप से टूट गए हैं लोगों के साथ आए बच्चों व बुजुर्ग खिड़कियों से झांका करते हैं जिससे खतरा लगातार बना हुआ है तहसील प्रशासन को सैकड़ो गांव की व्यवस्था देखने की जिम्मेदारी है लेकिन जिस भवन में प्रतिदिन बैठते उस भवन की यह स्थिति है तो सरकारी भवनो की क्या स्थिति होगी इसे लेकर तहसील के आला अधिकारियों पर सैकड़ो सवाल उठाए जा रहे हैं अब सोचने वाली बात यह है कि कल शनिवार को जिलाधिकारी का समाधान दिवस भी है तो क्या उनकी नजर इन समस्याओं पर पड़ती है या फिर यह समस्याएं सिर्फ अखबारों में सिमट कर रह जाएंगी

विकास की राह देख रहा दो किमी कच्चा रास्ता बना ग्रामीणों के गले की फांस

अमन लेखनी समाचार/रोहित कुमार कौनिजया

औरास, उन्नाव।उत्तर प्रदेश सरकार जहाँ एक ओर बेहतर कनेक्टिविटी और 'गड्ढामुक्त' सड़कों का दावा कर रही है, वहीं औरास ब्लॉक के माखन खेड़ा से कनवा खेड़ा होते हुए अलौलपुर जाने वाला मार्ग आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। लगभग 2 किलोमीटर का यह संपर्क मार्ग पूर्णतः कच्चा और जर्जर होने के कारण हजारों ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत बना हुआ है।

दूरी का दंश: 5 से 8 किमी का अतिरिक्त चक्कर

क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता रामजीवन कनौजिया ने इस गंभीर जनसमस्या को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग के डामरीकरण न होने से ग्राम पंचायत अदौरा के सभी आठ मजरे, गुडवा और मवई के ग्रामीणों को ब्लॉक मुख्यालय जाने के लिए 5 किमी का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है। सबसे बुरा असर उन श्रमिकों पर पड़ता है जो प्रतिदिन संडीला इंडस्ट्रियल एरिया काम करने जाते हैं। यदि इस 2 किमी के टुकड़े का डामरीकरण हो जाए, तो उनकी यात्रा की दूरी 8 किमी तक कम हो जाएगी, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर 'ब्रेक'

सड़क की खराब हालत का खामियाजा सबसे ज्यादा बच्चों और मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसारः

शिक्षाः सड़क कच्ची होने के कारण स्कूल वैन गांवों के अंदर नहीं आती, जिससे नौनिहालों को धूल और कीचड़ भरे रास्तों से पैदल स्कूल जाना पड़ता है।

स्वास्थ्यः बरसात के मौसम में स्थिति भयावह हो जाती है। एम्बुलेंस का गांव तक पहुंचना नामुमकिन हो जाता है, जिससे गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं की जान जोखिम में रहती है।

जनहित में त्वरित कार्रवाई की मांग

रामजीवन कनौजिया ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा इस मार्ग का तुरंत सर्वे कराकर बजट आवंटित किया जाए ताकि डामरीकरण का कार्य शुरू हो सके।

यह मार्ग केवल मिट्टी का रास्ता नहीं, बल्कि इलाके की लाइफलाइन है। शासन-प्रशासन को इस ओर ध्यान देकर ग्रामीणों को नारकीय जीवन से मुक्ति दिलानी चाहिए।ः रामजीवन कनौजिया, सामाजिक कार्यकर्ता।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल इंस्टीट्यूट में खेल महोत्सव संपन्न

'प्रीमोर्डियल-2026' का समापन, विजेताओं को मिली ट्रॉफी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहाँपुर , पंडित राम प्रसाद बिस्मिल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट में 'प्रीमोर्डियल-2026' खेल महोत्सव का समापन समारोह आयोजित किया गया। यह महोत्सव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सोसाइटी के अधीन संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा पाठ्यक्रम, बैच 2025 के छात्रों द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाल और डीन डॉ. विशाल प्रकाश गिरि सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार ने अपने संबोधन में आयोजकों और छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाल ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। छात्रा सारिका शर्मा ने 'राम को देखकर श्री जनकनंदन' का मधुर गायन प्रस्तुत किया, जबकि छात्र अभिनव सक्सेना ने 'चिराग अपने लिए तो नहीं जला करते' का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार को डॉ. सुशील कुमार वर्मा और डॉ. अमित कुमार सक्सेना ने स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद दिया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाल को डॉ. विशाल प्रकाश गिरि और डॉ. राणा प्रताप ने सम्मानित किया। स्पोर्ट्स समिति की संयोजिका डॉ. पूजा त्रिपाठी पाण्डेय को डॉ. नीरा गोयल और डॉ. अनिल कुमार ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया। डॉ. जय प्रकाश सिंह, डॉ. मनीष दिवाकर, डॉ. श्वेता जायसवाल, डॉ. किरण मलिक, डॉ. विनोद रवि, डॉ. शगुन शुक्ला और डॉ. वरुण गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का संचालन रेजिडेंट्स डॉ. शिवानी और डॉ. सुशीला ने किया। लिपिक अभय कश्यप, वार्ड बॉय सौरभ और अमन ने आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शोली गांव में कुएं से लापता युवक का शव बरामद

सिविल डिफेंस टीम ने दो घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला, मानसिक रूप से परेशान था मृतक

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , कोटड़ी थाना क्षेत्र के शोली हनुमान गांव में चार दिन से लापता एक युवक का शव कुएं से बरामद किया गया है। मृतक की पहचान शोली निवासी 27 वर्षीय विनोद धनका पुत्र भेरू धनका के रूप में हुई है। परिजनों ने उसके घर से लापता होने के बाद कोटड़ी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया जा रहा है कि मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद ली देर शाम ग्रामीणों ने गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर एक गहरे कुएं में शव देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कुएं की ज्यादा गहराई, जोखिम और तकनीकी चुनौतियों को देखते हुए पुलिस ने तत्काल सिविल डिफेंस टीम को बुलाया।दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया शवनागरिक सुरक्षा की संयुक्त टीम ने आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ तकनीकों का उपयोग करते हुए लगभग दो घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया। कुएँ की कठिन बनावट और सीमित जगह के बावजूद टीम ने मृतक के शव को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस रेस्क्यू अभियान में विरेंद्र मेघवाल, रमेश रैदास, सुरजमल राणा, कारुलाल राणा, पुष्पेंद्र डागर और निलम राठौड़ शामिल थे। दोपहर 12:10 बजे परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया

मकान नीचे गोदाम में लगी भीषण आग

अंदर फंसे युवक को लोगों ने निकाला बाहर, 2 किलोमीटर तक दिखाई दिया धुआं

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ शहर के नीमच रोड स्थित ओसिया विहार कॉलोनी में दोपहर एक बजे पाइप के गोदाम में आग लग गई। घटना की सूचना पर नगर परिषद की चार दमकल की गाडियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिश में जुट गईं।

गोदाम में प्लास्टिक के पाइप रखे थे

अतिरिक्त जिला कलेक्टर विजेश पांडे ने बताया-ओसिया विहार कॉलोनी में तुलसीराम पाटीदार का दो मंजिल का मकान है। जिसमें नीचे वाली मंजिल पर कृषि यंत्र के पाइप रखे थे। दोपहर 1 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग ने धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर लिया।

मकान के अंदर युवक को बाहर निकाला

पड़ोस में रहने वाली निर्मला बाई ने बताया- दोपहर जब आग लगी तो तुलसीराम पाटीदार की पत्नी और उनका 20 साल का बेटा मकान की ऊपरी मंजिल पर थे। इस दौरान शोर सुनकर तुलसीराम की पत्नी नीचे आ गईं। इस दौरान उन्हें पता चला कि गोदाम में आग लग गई है। इस पर उन्होंने फौरन चिल्लाकर बताया कि उसका बेटा ऊपर ही है। इस पर आसपास के लोग मकान में चढ़े और युवक को नीचे लेकर आए। आगजनी की घटना में मकान मालिक तुलसीराम पाटीदार घायल हो गए। जिन्हें फौरन प्रतापगढ़ जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं मौके पर पहुंची नगर परिषद की चार दमकलों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग इतनी भीषण थी कि उस पर पूरी तरह से काबू पाने के लिए गोदाम के पीछे की दीवार को तोड़ा गया और उसके अंदर जाकर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने आग पर पूरी तरह से काबू पाया।

संक्षेप

पाली गांव में बच्चों के विवाद में मारपीट

युवक ने शिकायत दर्ज कराई, जान से मारने की धमकी का आरोप

बागपत , शहर कोतवाली क्षेत्र के पाली गांव में बच्चों के विवाद को लेकर एक युवक के साथ मारपीट की गई। पीड़ित युवक ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। पाली गांव निवासी आपताफ पुत्र जावेद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बच्चों के बीच खेलते समय कहासुनी हुई थी। यह विवाद जल्द ही बढ़ गया, जब दोनों पक्षों के परिजन मौके पर पहुंच गए और आपस में उलझ पड़े। आपताफ का आरोप है कि विवाद के दौरान कुछ लोगों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला किया। इस मारपीट में उसे चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना के बाद घायल आपताफ ने उपचार कराया और मेडिकल परीक्षण भी करवाया। उसने यह भी आरोप लगाया है कि मारपीट करने वालों ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। आपताफ ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

महिला ने पड़ोसन पर मारपीट का आरोप लगाया

एसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की, पुलिस जांच में जुटी

बागपत , जनपद के खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र की कांशीराम कॉलोनी निवासी सोनी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पड़ोस में रहने वाली एक महिला पर मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। सोनी का आरोप है कि पड़ोसन आए दिन उनके साथ अभद्र व्यवहार करती है। जब भी वह या उनके परिवार के सदस्य इसका विरोध करते हैं, तो आरोपी महिला मारपीट पर उतारू हो जाती है और झगड़ा करने की कोशिश करती है। पीड़िता के अनुसार, कई बार मामूली बातों को लेकर भी विवाद खड़ा किया जाता है, जिससे उनका परिवार मानसिक तनाव में है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में स्थानीय स्तर पर समझौते का प्रयास भी किया गया था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, बल्कि विवाद बढ़ता ही गया।

8 दिन से फंदे पर लटका मिला युवका का शव

मेरठ में बंद मकान से दुर्गंध आने पर लोगों ने पुलिस को बुलाया

मेरठ , सरूरपुर थाना क्षेत्र के गांव सरूरपुर में एक बंद मकान के अंदर युवक का शव फंदे से लटका मिला। शव करीब सात-आठ दिन पुराना बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। कई दिनों से मकान से आ रही थी दुर्गंध मृतक की पहचान सरूरपुर निवासी मोनू पुत्र जगवीर के रूप में हुई है। बताया गया कि पिछले कई दिनों से मकान से तेज दुर्गंध आ रही थी। शुरूआत में ग्रामीणों ने इसे सामान्य समझा, लेकिन जब बदबू ज्यादा बढ़ गई तो अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने आपातकालीन सेवा 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सरूरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

होली तथा रमजान पर्व को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक

जिलाधिकारी ने अध्यक्षता करते हुए दिए जरूरी दिशा निर्देश

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के कलेक्ट सभागार में आगामी त्यौहार रमजान होली ईद आदि पर्व को लेकर पीस कमेटी के बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी रविंद्र सिंह द्वारा की गई अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने आगामी त्योहारों के दौरान आपसी भाईचारे का सौहार्द स्थापित करने के लिए आम जनमानस से अपील की वही विभागों को बिजली पानी तथा साफ सफाई के प्रति जागरूक रहने के लिए निर्देशित किया जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में मौजूद सभी उप जिला अधिकारीयों पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी होली त्यौहार को देखते हुए होलिका दहन वाले स्थान का निरीक्षण किया जाए जिसमें आसपास बिजली के तार या अन्य अवरोध को देखते हुए होली दहन कराई जाए इसके साथ-साथ सभी क्षेत्रीय थाना प्रभारियों के साथ पीस कमेटी की बैठक तत्काल कराई जाए कार्यक्रम के दौरान अनेक प्रकार की जानकारियां देते हुए जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को भी निर्देशित किया कि आगामी त्योहारों में किसी भी प्रकार के मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री ना हो पाए इसके लिए दुकानों पर छापेमारी करते हुए जांच की जाए यदि कोई गलत पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए इस मौके पर जिलाधिकारी के साथ मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना अपर जिला अधिकारी अविनाश त्रिपाठी सुनील कुमार व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ला आदर्श व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप गर्ग विश्व हिंदू परिषद प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग खाद्य अधिकारी समेत सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे

पूरेराहत अली गांव में हरे पेड़ों पर चला कुल्हाड़ा

पर्यावरण को क्षति पहुंचाने में आमादा लकड़ी व्यापारी विभाग मौन

अमन लेखनी समाचार/शोभित शुक्ला

फतेहपुर। वर्तमान सरकार जहां शिक्षा स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर अपने को गौरवान्वित महसूस कर रही है वहीं पर्यावरण को क्षति पहुचाने के लिए जगह-जगह पेड़ों की कटान करते हुए लकड़ी तस्कर वर्तमान सरकार को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं ताजा मामला फतेहपुर जनपद के मदरी वन विभाग रेंज अमौली क्षेत्र के गांव पूरेराहत अली गौरीपुर में आम के दो भारी पेड़ जड़ से काट कर गिरा दिए गए वहीं ग्रामीणों ने बताया की क्षेत्र में बहुत सारे पेड़ निरंतर काटे जा रहे हैं जिसकी सूचना वन विभाग को रहती है जिसके तालमेल से लकड़ी व्यापारी निरंतर पेड़ों की कटान बेधड़क कर रहे हैं मौके पर पहुंची मीडिया टीम ने काटे गए भारी आम के पेड़ों का कवरेज किया वहीं वन विभाग को सूचना दी हैरतअंगेज बात यह है कि जब तक मीडिया कर्मी या कोई समाज सेवी विभाग को सूचना नहीं देता तब तक विभाग के कान में जू नहीं रेंगता इससे साफ जाहिर होता है कि विभाग की मिली भगत से ही संपूर्ण क्षेत्र में ही नहीं बल्कि जनपद में जगह-जगह हरे वृक्षों के सीने पर आरा चलाया जा रहा है इस मामले को लेकर जनपद के डीएफओ से भी संपर्क साधा गया परंतु किसी कारण बस संपर्क नहीं हो पाया वही गांव में ग्रामीणों ने बताया कि लकड़ी काटने वाले तस्कर क्षेत्र के जहानाबाद कस्बे के मुस्लिम समुदाय के हैं देखना यह है कि विभाग ऐसे लकड़ी व्यापारियों के ऊपर अपना रहमों करम कब तक रखकर आपसी सौहार्द स्थापित करेगा

मेरठ जेल पहुंची पाकिस्तानी महिला सबा फरहत

स्पेशल सीजेएम ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मंजूर, बुधवार को बेल पर सुनवाई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , पुलिस ने पाकिस्तानी महिला सबा फरहत को को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। लगभग 20 मिनट बहस चली। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने पाकिस्तानी महिला की रिमांड रिफ्यूज करने की प्रतिवादी पक्ष की अपील को खारिज किया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजनें का फरमान सुना दिया। बुधवार को बेल पर सुनवाई होगी।

अब एक नजर पूरे मामले पर

कोठी अतानस देहलीगेट निवासी रुकसाना ने पाकिस्तानी महिला सबा फरहत उर्फ नाजी उर्फ नाजिया पर गैरकानूनी तरीके से भारत में रहने का आरोप लगाया था। महिला ने बताया कि नादिर अली बिल्डिंग निवासी फरहत मसूद ने पाकिस्तान जाकर सबा उर्फ नाजी से निकाह किया। 25 मई, 1993 को पाकिस्तान में सबा ने एक बेटी ऐमन फरहत को जन्म दिया। बाद में वह लान्ग टर्म वीजा पर भारत आ गई और अपने पासपोर्ट पर बेटी को भी ले आई।

देहलीगेट थाने में दर्ज की गई एफआईआर

रुखसाना ने शिकायत पत्र में जो आरोप लगाए थे उनमें सबा फरहत पर कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर वोटर आईडी तैयार कराने का भी आरोप लगाया था। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने इसकी जांच कराई। बताया जाता है कि जांच में आरोप सही पाए गए जिसके आधार पर एक मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया।

मेरठ बार एसोसिएशन चुनाव: उम्मीदवारों का भविष्य मतपेटियों में बंद

3246 मतदाताओं ने डाले वोट, 21 पदों पर 40 उम्मीदवार मैदान में

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, बार एसोसिएशन की 2026-27 कार्यकारिणी के लिए चुनाव संपन्न हो गए हैं। कुल 4268 मतदाताओं में से 3246 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे उम्मीदवारों का भविष्य मतपेटियों में बंद हो गया है। पंडित नानकचंद सभागार में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान हुआ। चुनावी मंडल की देखरेख में सभी मतदाताओं ने शांतिपूर्वक अपने मत डाले। चुनाव अधिकारी रउफउल हसन अंसारी, जगदीश गिरी, नेपाल सिंह सोम, अशोक पंडित, वीरेंद्र सिंह सिरोही, मनोज गुप्ता, सतेंद्र सिंह, मनुज बुटार और सहदेव सिंह सोम ने मतदान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया।मतदान के दौरान, मतदाता गैलरी के दोनों ओर खड़े होकर उम्मीदवारों और उनके समर्थकों ने अपने पक्ष में वोट मांगे। मेरठ बार एसोसिएशन की प्रबंध समिति के कुल 21 पदों के लिए 40 उम्मीदवार मैदान में थे। मतदान के लिए 60 बूथ बनाए गए थे। मतदान समाप्त होने के बाद, सभी मतपेटियों को उम्मीदवारों की उपस्थिति में सील कर दिया गया। चुनावी मंडल ने बताया कि मतगणना सुबह 9 बजे से शुरू होगी और परिणाम आने तक जारी रहेगी। मतगणना का कार्य वीडियोग्राफी के तहत होगा, जिसका सीधा प्रसारण मतगणना स्थल के बाहर एक प्रोजेक्टर स्क्रीन पर भी दिखाया जाएगा। मतगणना चुनावी मंडल द्वारा कराई जाएगी और इस दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित रहेगा। चुनावी मंडल ने यह भी घोषणा की है कि यदि मतगणना के दौरान कोई भी समर्थक उपद्रव करता है, तो उसके और उसके उम्मीदवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी उम्मीदवारों ने अपनी जीत के दावे किए हैं।चुनाव में दो प्रमुख पैनल मैदान में थे। पहले पैनल में अनुज शर्मा और परवेज आलम शामिल थे, जिसमें अनुज कुमार शर्मा अध्यक्ष पद के लिए, नरेश कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए और परवेज आलम महामंत्री पद के लिए उम्मीदवार थे।

दाम्पत्र सूत्र बंधन में बंधे तेरह युगल जोड़े

पांच दिवसीय गायत्री महायज्ञ में संपन्न हुए वैदिक विवाह

अमन लेखनी समाचार/शोभित शुक्ला

फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद विधानसभा कस्बे अंतर्गत ऐतिहासिक स्थल मां आशा देवी मंदिर प्रांगण में चल रही पांच दिवसीय 51 कुंडीय महामृत्युंजय गायत्री महायज्ञ के अंतिम दिवस परिगृहण संस्कार संपन्न कराए गए वैदिक मंत्रों के मध्य कुशल आचार्यों ने कार्यक्रम में पहुंचे 13 जोड़ों को दाम्पत्र सूत्र बंधन में बांधा कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक पप्पू कुशवाहा ने संपूर्ण कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने वाले कार्यकर्ता वेदपाठी आचार्य क्षेत्रीय महिलाओं बच्चों तथा पुरुष वर्ग का सादर आभार व्यक्त किया मां आशा देवी मंदिर समिति दारागंज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ हवन इत्यादि किया वहीं महा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टिकोण से थाना प्रभारी जहानाबाद मनीष कुमार सिंह उप निरीक्षक प्रेमशंकर पाठक रामकृपाल यादव समेत भारी पुलिस बल जगह-जगह मुस्तैद रहा समिति के सदस्यों ने सभी जोड़ों को उपहार भेंट किया कार्यक्रम में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र पटेल ने मौजूदा सभी युगल जोड़ों को शुभ आशीर्वाद प्रदान करते हुए विदाई दी

किसान बोले-हमें कॉलेज बनने का भरोसा मिला था

बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर के बयान पर धरना दिया, उनके ही इशारे पर हम पीटे गए

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, हम तो गांव में कूड़ा प्लांट का विरोध कर रहे हैं। पिछले दो महीने से बैठे हैं। हमें विधायक नंद किशोर गुर्जर ने भरोसा दिया था। उनके ही बयान पर हम धरने पर बैठे। अब उन्होंने ही हमें पिटवा दिया। वह हमारा फोन भी रिसीव नहीं कर रहे हैं। अब चाहे जो हो, इस डंपिंग ग्राउंड को गांव से हटवाकर ही मानेंगे। इसकी जगह पर यहां अस्पताल या कुछ और बने।' ये कहना है गाजियाबाद के मीरपुर गांव के उन किसानों का, जिन्हें 15 फरवरी को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। घंटों चले बवाल के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। देर रात छोड़ दिया गया। अब उन ग्रामीणों ने गांव में फिर से धरना शुरू कर दिया है। गांव के लोग पुलिस के रवैये से नाराज हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक कर्मचारी ने बताया- इस प्लांट की क्षमता एक दिन में 2000 टन कूड़ा निस्तारण करने की है। जिसमें प्लास्टिक, पन्नी और कचरा को अलग-अलग कर दिया जाएगा। इससे गंदगी नहीं आएगी। बल्कि कूड़े को मशीनों से साफ करेगा।

डिग्री कॉलेज का वादा थ डंपिंज प्लॉट से निकलकर टीम यहां से 700 मीटर दूर धरनास्थल पर पहुंची। यहां सबसे पहले किसान पवन कुमार से बात की। उन्होंने कहा- हम 2012 से इसका विरोध कर रहे हैं। मीरपुर हमारा गांव है, इससे उस समय सांसद जनरल वीके सिंह ने गोद लिया था। गांव के लोगों से कहा था कि डिग्री कॉलेज और सालिड वेस्ट प्लांट बनेगा। गांवों के लोगों ने सोचा कि कोई अच्छी चीज बनेगी। गांव के लोगों को बहकाया गया। 2 महीने से धरना चल रहा है। हमारी नगर आयुक्त के साथ मीटिंग हुई थी। हमारी मांग थी कि जब तक बातचीत का नतीजा नहीं निकल जाता, तब तक काम बंद रहेगा। लेकिन पिछले गेट से यहां काम चलता रहा। हमारे साथ वादा खिलाफी की गई है। हम भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर के पास गए थे।

वह किसानों के पास नहीं आए। वह हमारे प्रतिनिधि हैं, उन्होंने किसानों से कहा- आप इसका विरोध करो, हम अधिकारियों से बात करते हैं, कोशिश करेंगे कि इसे हटवा दें। धरने पर मजबूती से बैठो। लेकिन आज तक विधायक यहां नहीं आए।

रेलवे कर्मचारी हत्याकांड का खुलासा न होने पर उबाल

आक्रोशित ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली से एसएसपी कार्यालय पहुंचे ,जमकर किया हंगामा; धरने पर बैठे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , मुंडाली थाना क्षेत्र में 4 जनवरी को हुई रेलवे कर्मचारी की हत्या के मामले का अब तक खुलासा न होने से परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। पीड़ित परिवार सैकड़ों ग्रामीणों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर एसएसपी कार्यालय के लिए रवाना हुआ। रास्ते में भावनपुर और गढ़ रोड पर पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, जिससे ग्रामीणों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसके बावजूद ग्रामीण एसएसपी कार्यालय पहुंच गए और वहां जमकर हंगामा करते हुए धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने पुलिस पर मामले में लापरवाही बरतने और हत्या को हादसा बताकर दबाने का आरोप लगाया। ग्रामीणो ने एसएसपी से मुलाकात कर हत्या के मामले का जल्द खुलासा करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। ड्यूटी पर जाते समय हुई थी हत्या जानकारी के अनुसार भावनपुर थाना क्षेत्र के बक्सर गांव निवासी विवेक चौहान, पुत्र महेंद्र, खरखौदा रेलवे स्टेशन पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात थे। 4 जनवरी को वह ड्यूटी के लिए जा रहे थे, तभी मुंडाली के अजराड़ा संपर्क मार्ग पर बाइक सवार बदमाशों ने उनकी हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने इस घटना को नीलगाय की टक्कर बताकर मामले को गंभीरता से नहीं लिया। रास्ते में कई जगह पुलिस से हुई नोकझोंक मंगलवार को ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली से एसएसपी कार्यालय के लिए निकले, लेकिन भावनपुर और गढ़ रोड पर पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद भी ग्रामीण एसएसपी कार्यालय पहुंच गए और नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए।अधिकारियों ने समझाने का किया प्रयास सूचना पर एसपी देहात, सीओ सदर देहात और सीओ किठौर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण एसएसपी से मुलाकात की मांग पर अड़े रहे। बाद में अधिकारियों ने मृतक के परिजनों और कुछ ग्रामीणों की एसएसपी अविनाश पांडे से मुलाकात कराई। जांच ट्रांसफर और गिरफ्तारी की मांग मुलाकात के दौरान मृतक के परिजनों ने थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए जांच किसी अन्य अधिकारी को सौंपने और जल्द खुलासा करने की मांग की। साथ ही मृतक के भाई विकास चौहान ने अपनी भाभी गुंजन और उसके परिजनों पर भी हत्या का आरोप लगाया। एसएसपी ने दिया कार्रवाई का आश्वासन एसएसपी अविनाश पांडे ने परिजनों को मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जल्द खुलासा करने और दोषियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। साथ ही जांच में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात भी कही।

ग्रेटर नोएडा में लिफ्ट फ्री फॉल होने से महिला घायल

13वीं से आकर 8वीं मंजिल पर लिफ्ट रुकी, पैर में चोट लगी

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सुपरटेक इको विलेज 1 सोसाइटी में शाम को एक लिफ्ट फ्री फॉल हो गई। टावर ₹5 की लिफ्ट 13वीं मंजिल से सीधे 8वीं मंजिल पर तेज झटके के साथ आकर रुकी। इस हादसे में लिफ्ट में सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान सुपरटेक इकोविलेज 1 सोसाइटी के एफ 7 टावर निवासी रीना प्रसाद (65) के रूप में हुई है।रीना प्रसाद ने बताया कि वह देर शाम टावर में ट्यूशन गए अपने पोते-पोती को लेने गई थीं। 14वीं मंजिल से पोते-पोती के साथ लिफ्ट में सवार होकर नीचे आ रही थीं, तभी गेट बंद होते ही लिफ्ट में अचानक लाइट चली गई और वह फ्री फॉल हो गई। लिफ्ट 13वीं मंजिल से 8वीं मंजिल पर तेज झटके के साथ रुकी। इस दौरान रीना प्रसाद अपना संतुलन खो बैठीं और लिफ्ट के अंदर ही गिर गईं। उनके साथ मौजूद पोते-पोती को कोई चोट नहीं आई, लेकिन रीना प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गईं और उठने में असमर्थ थीं। पोते की मदद से वह बाहर निकलीं और गार्ड को घटना की जानकारी दी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में युवक-युवतियों से मारपीट

दो आरोपी गिरफ्तार, हॉर्न बजाने को लेकर हुआ था झगड़ा

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में युवक-युवतियों के साथ मारपीट का एक वीडियो सामने आया है। 14 फरवरी को हुई इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो युवतियों को भी चोटें आई हैं। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 14 फरवरी को बिसरख थाना क्षेत्र की आम्रपाली लेजर पार्क सोसाइटी के पास हुई थी। वेदांत और आयुष अपनी बहन और महिला मित्र के साथ क्रेटा गाड़ी से जा रहे थे। रास्ते में शाहरुख, अजीम और उनके कुछ साथी अपनी गाड़ी लेकर खड़े थे। पीड़ितों ने हॉर्न बजाकर गाड़ी हटाने को कहा, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बाद पीड़ित अपनी गाड़ी साइड से निकालकर आगे बढ़ गए।आरोपियों ने पीड़ितों की गाड़ी का पीछा किया और उन्हें रोक लिया। इसके बाद उन्होंने गाड़ी से बाहर निकालकर गाली-गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने बेसबॉल बैट और डंडों से पीड़ितों की बेरहमी से पिटाई की। इस मारपीट में वेदांत गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दोनों युवतियों को भी चोटें आईं। आरोपियों ने पीड़ितों की कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद पीड़ितों ने हिंदू संगठनों को इसकी जानकारी दी। हिंदू संगठन के सदस्य बिसरख थाने पहुंचे और उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गाजियाबाद के डासना निवासी शाहरुख और अमरोहा निवासी अजीम के रूप में हुई है। उन्हें चार मूर्ति से एटीएस की ओर जाने वाले रास्ते से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल की गई कार, बेसबॉल बैट और डंडा बरामद किया है।

युवराज की मौत के बाद पिता ने देश छोड़

बेटी के साथ लंदन गए, घर में ताला लगा; एक महीने बाद भी एक्शन नहीं

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत को एक महीना बीत चुका है। शासन की ओर से गठित एसआईटी ने जांच कर रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। उसके बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस बीच युवराज के पिता ने देश छोड़ दिया है। वह अपनी बेटी के साथ लंदन चले गए हैं। उनके फ्लैट पर ताला लगा है। वहां कोई नहीं है।हालांकि देश छोड़ने की अहम वजह क्या है, यह साफ नहीं हो सका है। इस बीच उनका देश छोड़कर जाना चर्चा में आ गया है। एसआईटी की जांच पूरी होने के बाद भी किसी तरह का एक्शन नहीं हुआ है। इस पूरी घटना को एक महीना हो चुका है। 16 जनवरी को सेक्टर-150 के एससी-02 अ3 प्लाट के बेसमेंट में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की कार डूब गई थी। वह खुद को बचाने के लिए कार की छत पर चढ़ गए। मदद के लिए पिता को कॉल की। पिता पहुंचे। उनकी कॉल पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची घंटों की मशक्कत के बाद भी युवराज तक मदद नहीं पहुंच सकी। वह अपने पिता और राहत व बचाव की टीम के सामने ही तालाब के पानी में डूब गए। अगले दिन उनकी लाश बरामद की गई। युवराज मेहतता की मौत को अब पूरा एक महीना हो चुका है। मामले में गठित रकळ ने अपनी जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। बावजूद इसके अब तक कोई एक्शन शासन स्तर पर नहीं लिया गया। हालांकि इस घटना के अगले ही दिन जेई नवीन कुमार की सेवा समाप्त कर दी गई थी।

एसआईटी सौंप को जांच रिपोर्ट सौंप चुकी, एक्शन नहीं

इस घटना के दो दिन बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुद संज्ञान लिया। एडीजी मेरठ जोन भानु भास्कर की अध्यक्षता में एक जांच टीम बना दी।

कुरारा क्षेत्र से ओवर लोड ट्रकों का निकलना शुरू

अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन का चला बुलडोजर

अमन लेखनी समाचार

कुरारा,हमीरपुर।विकास खंड क्षेत्र के झलोखर गांव में हाइवे किनारे अवैध अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ राजस्व टीम की मौजूदगी में बुलडोजर द्वारा अतिक्रमण हटाया गया। क्षेत्र के झलोखर गांव में हाइवे किनारे मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए मिट्टी लेने के लिए आवंटित है। इस भूमि के आसपास लोगो ने अवैध रूप से अति क्रमण कर लिया था। लोगो की शिकायत पर गांव के लेखपाल द्वारा इस भूमि की नाप करके लोगों द्वारा किया गया अतिक्रमण हटाया गया।इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि ललित मोहन शिवहरे, तथा पुलिस बल मौजूद रहा

अमन लेखनी समाचार/ कुरारा, हमीरपुर। जहाँ जिला मुख्यालय में ओवरलोड के खिलाफ अभियान खूब चलाया जाता है परंतु जिला मुख्यालय से कालपी मार्ग पर बेखौफ होकर अवरलोड डम्फर लोकल दुकानदारों को मोरंग की सप्लाई करते है।जिसपर किसी की नजर नही जा रही है।पड़ोसी जनपद के कदौरा के मोरंग खदानों से ओवरलोड मोरंग डम्फर में लादकर सुबह जल्दी कुरारा कस्बे सहित आसपास के गांवों में गिट्टी, गुम्मा व सरिया का व्यापार करने वाले दुकानदारों व ग्रामीमो को मोरंग की पूर्ति बेखौफ होकर की जाती है। क्योकि मुख्यालय से कालपी मार्ग पर किसी भी अधिकारी की नजर नही रहती साथ ही पुलिस की मिली भगत से मोरंग माफिया अपना खूब मुनाफा कमा रहे है। वही लोकल के व्यापारियों द्वारा कस्बे के हाइवे के किनारे मोरंग व गिट्टी के ढेर लगवा कर फुटकर बेचते है। खंड विकास कार्यालय से लेकर मनकी तिराहे तक मोरंग व गिट्टी के ढेर लगे हुए है। वही गल्ला मंडी से मुख्यालय को जाने वाली सड़क पर भी उक्त लोकल दुकानदारों द्वारा हाइवे के किनारे किनारे अवैध कब्जा किया गया है। जिससे दुर्घटनाओं सहित आमजन मानस को काफी तकलीफ का सामना करना पड़ता है।वही इस संबंध में चेयरमैन आशारानी कबीर ने बताया कि इसकी जांच करवाई जाएगी अगर सड़क किनारे किसी भी तरह से कोई कब्जा जमाए हुए हैं तो उसे हटवाया जाएगा। वही थाना प्रभारी रामआसरे सरोज ने बताया कि अवैध या ओवरलोड खनन का काम खनन विभाग व ट्रैफिक का है। जोभी कार्यवाही करेंगे

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के कुश कुमार सिंह हलिया ब्लाक अध्यक्ष युवा नियुक्त

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर । श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के विस्तार के क्रम में जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार ने कुश कुमार सिंह को हलिया ब्लाक अध्यक्ष युवा नियुक्त किया है। इनको हलिया के क्षेत्र में जिम्मेदारी दी गई हैं। इन्हें प्रमाण पत्र देकर एवं मिठाई खिलाकर सेना में उनका स्वागत किया गया । और उम्मीद की गई की संस्था में जुड़कर मानव सेवा, समाज सेवा के लिए महिला उत्पीड़न व समाज में व्याप्त कुरीतियों के लिए आगे आए और समाज के हर तबके के लिए संघर्ष के लिए अपनी सेवा के साथ तत्पर रहे। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के पदाधिकारी को बधाई और शुभकामना दी गई है। साथ ही आशा व्यक्त की है की श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना का विस्तार करने में पदाधिकारी हमारे सहयोग में खड़े रहेंगे। मौके पर उपस्थित रहने वालों में जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार पूर्वांचल सचिव अभिषेक सिंह धवल जिला उपाध्यक्ष प्रिंस सिंह जिला उपाध्यक्ष इंस्पेक्टर सिंह उर्फ शिवम प्रदीप यादव एडवोकेट इंस्पेक्टर सिंह, कविता सिंह ,छोटेलाल तिवारी शुभम सिंह , अजीत कुमार सिंह युवराज सिंह मधुकर मिश्रा सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीआईजी ने सदर कोतवाली का किया औचक निरीक्षण

पुलिस व्यवस्था की गुणवत्ता जांचने के उद्देश्य से किया गया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार/ उमेश दीक्षित

हमीरपुर। चित्रकूट धाम मंडल के पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस ने गुरुवार को सदर कोतवाली का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण पुलिस व्यवस्था की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और थाने के कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया डीआईजी राजेश एस ने कोतवाली परिसर में मौजूद 72 रजिस्टरों की गहन जांच की। इनमें जनरल डायरी, केस डायरी, हथियार रजिस्टर, जीआरपी रजिस्टर, महिला संबंधित शिकायतें और साइबर क्राइम से जुड़े अभिलेख शामिल थे।डीआईजी ने थाने की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया।उन्होंने लॉकअप, हथियार भंडार, वाहन पार्किंग और सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता का जायजा लिया।डीआईजी ने थाने परिसर की साफ-सफाई और रखरखाव पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि परिसर को हमेशा स्वच्छ और व्यवस्थित रखा जाए।डीआईजी राजेश एस ने थाने के अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने महिला सुरक्षा, साइबर अपराध रोकथाम और दंगा नियंत्रण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विशेष ध्यान देने को कहा निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों को अनुशासन, सतर्कता और जनसेवा के प्रति समर्पण बनाए रखने की सलाह दी। यह औचक निरीक्षण पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा की जाने वाली नियमित निगरानी का हिस्सा है।जिससे थानों में पारदर्शिता बढ़ती है और अपराध नियंत्रण में सुधार आता है। इस निरीक्षण से पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए गए हैं।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक डा. दीक्षा शर्मा, सीओ सदर राजेश कमल सहित सभी अधीनस्थ अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्राथमिक भवन ध्वस्त जूनियर निष्प्रयोज्य खुले आसमान के नीचे अध्ययनरत है छात्र

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। ग्राम पंचायत बांक के कंपोजिट विद्यालय का जूनियर भवन में निष्प्रयोज्य घोषित करने तथा प्राथमिक विद्यालय के भवन ढहा देने के चलते दोनों विद्यालयों के छात्र खुले आसमान के नीचे शिक्षण ग्रहण करने को मजबूर है। बृहस्पतिवार की गई पड़ताल में दोनों विद्यालयों के छात्र छात्राएं खुले आसमान के नीचे पढ़ते मिले। प्रधानाध्यापक अजय कुमार ने बताया कि प्राथमिक में 112 एवं जूनियर में 77 छात्र छात्राएं पंजीकृत है। दोनों विद्यालयों में कुल 189 बच्चे पंजीकृत हैं। प्राथमिक विद्यालय का भवन डेढ़ वर्ष पूर्व नीलाम करके जमीदोंज कर दिया गया था। बजट नहीं मिलने से अभी तक निर्माण नहीं शुरू हुआ है। जूनियर भवन निष्प्रयोज्य घोषित हो चुका है। मजबूरी में बच्चों को बाहर बैठाकर शिक्षा दी जा रही। खंड शिक्षा अधिकारी प्रभाकर सिंह तोमर ने बताया कि प्राथमिक भवन के निर्माण के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। मार्च में बजट आने की उम्मीद है। जूनियर भवन की नीलामी करने की प्रक्रिया शुरू है। जल्द ही निर्माण कराया जाएगा। धूप, बरसात से बचाव के लिए वैकल्पिक भवन का इंतजाम कर लिया गया है।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय की कुछ विषयों का परीक्षा परिणाम आ चुका है

अमन लेखनी समाचार

खड़ेही लोधन (हमीरपुर बुंदेलखंड विश्विद्यालय झांसी की बीते माह सम्पन्न हुई स्नातक एवं परास्नातक के विषयों के विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के कुछ विषयो का परीक्षा परिमाण जारी कर दिया गया है हीरानंद पीजी कालेज बिवार के प्राचार्य डॉ अभिनन्दन सिंह ने बताया कि बुंदेलखंड विश्विद्यालय झांसी ने बीती मंगलवार की देर शाम विषम सेमेस्टर के कुछ विषयो के सेमेस्टरो का परीक्षा परिणाम धोषित कर दिया है।जो इस प्रकार निम्वत है।बीकाम तृतीय सेमेस्टर,बीकाम पंचम सेमेस्टर,एमए शिक्षा शास्त्र तृतीय सेमेस्टर,एमए समाजशास्त्र तृतीय सेमेस्टर,एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर,एमए गृहविज्ञान विज्ञान तृतीय सेमेस्टर,एमए राजनीति तृतीय सेमेस्टर,एमए अर्थशास्त्र तृतीय सेमेस्टर,एमए इतिहास तृतीय सेमेस्टर, एमए मनोविज्ञान तृतीय सेमेस्टर,एमए संस्कृत तृतीय सेमेस्टर,एमए उर्दू तृतीय सेमेस्टर,एमए म्यूजिक तृतीय सेमेस्टर,एमए भूगोल तृतीय सेमेस्टर,एमए काम तृतीय सेमेस्टर,का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। संबंधित विषय के छात्र/छात्राएं बुंदेलखंड विश्विद्यालय झांसी की वेबसाइट से अपना परीक्षा परिणाम देख सकते है

बिल ठीक कराने के नाम पर संविदा कर्मी ने हड़पे दो लाख 18 हजार मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। विद्युत बिल ठीक कराने के नाम पर संविदा कर्मी द्वारा 2 लाख 18 हजार की धनराशि चार कनेक्शन धारकों से लेकर डकार ली। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है देवगांव का मूल निवासी रंजीत यादव संविदा कर्मी है और मुख्यालय के रमेडी तरौस में रहता है। दरियापुर निवासी कमतइयां ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके नाम एक कमर्शियल विद्युत कनेक्शन है। जिसका काफी बिल बकाया हो गया था। संविदा कर्मी ने कहा कि वह बिल ठीक करा कर कम धनराशि जमा करा देगा। उसकी बातों में आकर 45 हजार, गांव निवासी सुमित्रा देवी ने 53 हजार, भैया लाल ने एक लाख, रामकरन अनुरागी ने 20 हजार रुपए नगद दे दिए। फरवरी 2023 में धनराशि देने के बाद उनका कोई बिल ठीक नहीं हुआ। जब वह लोग 15 दिसंबर 2025 में मुख्यालय स्थित रमेडी तरौस के आवास में रुपए मांगने पहुंचे तो उसने अपने अज्ञात साथियों के साथ गाली गलौज करके भगा दिया और रुपए देने से मना कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर बीएनएस की धारा 316(2), 318(4), 352, 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है

जिले में पहले बदमाशों के असलहा दिखते थे अब दबंग नेताओं के दिख रहे हैं

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट। जनपद में कई दशक पहले कई डाकूओं के झुंड जिले के गांवों में दहशत असला लेकर फैलाते थे। जैसे ददुआ सीताराम गैंग, अंबिका पटेल गैंग, ठोकिया गैंग, रंम्पा गैंग आदि गैगों ने जिले में कई दशक तक दहशत फैलाया। इन्ही डकैतों के दहशत से चित्रकूट की जनता के पास आज 20 से 25000 लैसन लगभग जिले में है,जिसमें जगन्नाथ सिंह जिलाधिकारी चित्रकूट ने अकेले 17000 हजार असलहे जिले की जनता को बनवाए थे। उत्तर प्रदेश में मायावती शासन में असला कोई झुंड लेकर नहीं चल सकता था लेकिन समाजवादी पार्टी में भी इतना कोई दबंग नेता 7 से 8 हसलहे लेकर नहीं चला। वर्तमान में भाजपा की सरकार है तथा उसके ही पदाधिकारी सत्ता शासन में समाज के लिए भलाई का कार्य कर रहे हैं, लेकिन इन्हीं में से कुछ नेताओं के पास दबंगई को लेकर के इतने असलहे लेकर चलते हैं कि आम जनमानस देखकर के भव चक्का रह जाता है। इन सब बातों के बावजूद योगी सरकार ने कुछ दबंग गुंडो को तो सुधार दिया लेकिन अपने ही पार्टी के कुछ नेता इतना असलहा लेकर चल रहे हैं जिससे कि लगता है कि आज कोई बदमाश का पुराना गैंग चल रहा है। चित्रकूट के 2027 का चुनाव होना है जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष, विधायक, बीडीसी सदस्य कंपटीशन में चुनाव लड़ने के लिए असलहों का नजराना पेश कर रहे हैं। योगी सरकार में नेताओं की मनमानी चल रही है जिसमें कई गाड़ियों में अवैध हूटर भी लगाए गए हैं तथा काले शीशे का प्रयोग भी हो रहा है तथा बड़े-बड़े अपराधी पदाधिकारी नेताओं के संरक्षण में नंबर दो का धंधा भी कर रहे हैं जिसमें इनको फायदा होता है।

आंगनवाड़ियों कार्यकत्रियों को पोषण भी, पढ़ाई भी, का दिया जाएगा प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर जिले के सादात खंड विकास कार्यालय सभागार में पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय आंगनवाड़ी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। अगले 9 दिनों तक ये प्रशिक्षण तीन-तीन दिन के तीन बैचों में संपन्न किया जाएगा। इसके लिए 100-100 कार्यकत्रियों का बैच बनाया गया है। उन्हें प्रोजेक्टर के माध्यम से विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षित किया गया।प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए सीडीपीओ सोनम सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। बताया कि ह्यपोषण भी पढ़ाई भीह्न भारत सरकार की एक पहल है, जो 0-6 वर्ष तक के बच्चों के लिए पोषण के साथ ही प्रारंभिक शिक्षा सुनिश्चित करती है। बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान 0 3 वर्ष तक नवचेतना व 3 से 6 वर्ष तक ह्यआधारशिलाह्न पाठ्यक्रम के माध्यम से खेल-आधारित शिक्षा और कुपोषण प्रबंधन सिखाया जाता है। इसका उद्देश्य आंगनवाड़ी को एक शिक्षण केंद्र में बदलना है, जहाँ बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा प्राप्त हो सके।

महानगर के सुनियोजित विकास की दिशा में बड़ा कदम

जीडीए की 16 कालोनियां नगर निगम को हस्तांतरित, बेहतर सुविधाओं व सुदृढ़ प्रबंधन का मार्ग प्रशस्त

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। महानगर के समग्र और सुनियोजित विकास की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा निर्मित 16 कालोनियों का औपचारिक रूप से गोरखपुर नगर निगम को हस्तांतरण किया गया। इस निर्णय से संबंधित क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं के विस्तार, नियमित रख-रखाव और प्रभावी शहरी प्रबंधन को नई गति मिलने की उम्मीद है। हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, जीडीए के उपाध्यक्ष आनंद वर्धन, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, नगर निगम एवं जीडीए के अधिकारीगण तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को महानगर के सुव्यवस्थित विकास की दिशा में मील का पत्थर बताया। अधिकारियों ने बताया कि अब इन 16 कालोनियों में सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई, पेयजल, सीवर व्यवस्था और अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं का संचालन व रख-रखाव नगर निगम द्वारा किया जाएगा। इससे कार्यों में समन्वय बढ़ेगा और शिकायतों के त्वरित निस्तारण में भी आसानी होगी। स्थानीय निवासियों को एक ही निकाय के माध्यम से सभी शहरी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी, जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनेगी। महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाना है। नई कालोनियों के जुड़ने से जिम्मेदारियां बढ़ी हैं, लेकिन निगम पूरी प्रतिबद्धता के साथ नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से गोरखपुर को आदर्श महानगर बनाने का संकल्प निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा विकसित कालोनियों को नगर निगम को सौंपना एक सुविचारित प्रशासनिक कदम है, जिससे विकास कार्यों में एकरूपता आएगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने समन्वय, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ महानगर के विकास को गति देने का संकल्प दोहराया। इस पहल को गोरखपुर के शहरी ढांचे को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रसिद्ध ऋषियन आश्रम में ट्रस्ट के सौजन्य से श्रीमद् भागवत कथा का भंडारा संपन्न हुआ

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट।महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऋषियन आश्रम अति प्राचीन मंदिर में परंपरागत तरीके से ऋषियन ट्रस्ट के सौजन्य से एकादश दिवसीय मंत्र जप श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ अनुष्ठान भंडारा आदि कार्यक्रम धूम धाम से मनाया गया। ऋषियन आश्रम संचालक पंडित इन्द्रेश त्रिपाठी ने बताया कि आज पूणार्हुति भंडारा सम्पन्न हुआ जिसमें अंतर्जनपदीय श्रद्धालु जनों ने आकर हवन पूजन दर्शन लाभ प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया व बांदा चित्रकूट के पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्र ने भी आज मुख्य यजमान के रूप हवन पूजन दर्शन भगवान शिव का जलाभिषेक कर आशिर्वाद प्राप्त किया साथ ही ऋषियन आश्रम के विकास कार्यों में और भी तीव्रता लाने के संबंध में विस्तृत चर्चा कर आश्वासन दिया कि मैं जिलाधिकारी महोदय चित्रकूट से भी इस आश्रम के विकास के संबंध में वार्ता करूंगा। कहा जाता है कि प्रसिद्ध प्राचीन ऋषियन शिव मंदिर पर देवराहा बाबा का भी पदार्पण हुआ था जो कि आज भी लोग उनके बारे में बताते हैं। इसी बरहा कोटरा ग्राम पंचायत में जहां गर्भगृह में प्राचीन शिवलिंग विराजमान है ऋषियन के नाम से जाना जाता है। राम भगवान भी प्रयागराज के बाद इसी मार्ग से मऊ होकर के चित्रकूट गए थे लेकिन आज की नेता नगरी अपनी रोटी सेकने के लिए मनमाना भगवान को भी रूप दे रहे हैं। ऋषियन आश्रम घने जंगल में झरनों के बीच स्थित है जहां पर जाने पर मन को शांति और आत्मा को ज्ञान मिलता है।

भ्रष्टाचार का आरोप ! पक्की सड़क मरम्मत में ज्ञापन में जांच और कार्यवाही की मांग

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद रायबरेली/विकास खंड छतोह के नसीराबाद मखदुमपुर मार्ग 14 किलोमीटर पर करीब 20 वर्ष बाद सड़क मरम्मत निर्माण कार्य शुरू हो गया है लेकिन किसान यूनियन द्वारा भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर सलोन एसडीएम चंद्र प्रकाश गौतम और जिलाधिकारी हर्षिता माथुर को ज्ञापन सौंपकर जांच और कार्यवाही की मांग की है लेकिन 24 घंटा बीतने के बावजूद भी न तो काम बंद कराया गया और न ही कोई जांच टीम गठित की गई अधिकारियों के लचर व्यवस्था के चलते किसान यूनियन नेताओं में भारी आक्रोश है बातचीत में बताया कि अगर जांच नहीं हुई तो 23 फरवरी को मौके पर जाकर काम रुकवा कर प्रदर्शन किया जाएगा बताते चलें कि वर्षों से खंडहर पड़ी नसीराबाद मखदुमपुर पक्की सड़क पर करीब 20 वर्ष बाद इस समय मखदुमपुर की ओर से परैया नमस्कार चौराहा तक मरम्मत कार्य पूर्ण होने वाला है सोमवार किसान कल्याण एसोसिएशन अराजनैतिक गुट के नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष लालता प्रसाद शुक्ला की अध्यक्षता में मंडल अध्यक्ष अरविंद जायसवाल ने किया धरने को जिला अध्यक्ष सदाशिव पांडे, दिनेश मौर्य, बद्री प्रसाद पासी शिवहर गुप्ता, रामनरेश मौर्य ,कपिल मिश्रा ,लल ऊसिंह आदि ने संबोधित किया जिलाधिकारी से मांग की है नसीराबाद मखदुमपुर मार्ग के निर्माण में भ्रष्टाचार किया जा रहा है कार्य को तत्काल बंद करवा कर जांच कराई जाए और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए तथा मानक के अनुसार निर्माण कराया जाए अगर ऐसा नहीं हुआ तो किसान और कार्यकताओं के साथ मिलकर संगठन के द्वारा दिनांक 23 फरवरी को निर्माण कर बंद करवा कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी मामले में सलोन एसडीएम चंद्रप्रकाश गौतम से बात की गई तो बताया कि मामला जानकारी में है जांच कराई जाएगी

पहले ग्रामीणों द्वारा किया गया था विरोध

नसीराबाद रायबरेली/प्रतापगढ़ बार्डर पूरे राई चौराहे से शुरू निर्माण कार्य सड़क मरम्मत में घटिया मटेरियल आदि डालकर सड़क बनाई जा रही थी पहले ही दिन काम में लगा तेज रफ्तार टैंकर बुजुर्ग को टक्कर मारकर फैक्कर कर दिया था मौके पर मौजूद ग्रामीण संतोष सिंह ,शिव मूरत यादव, वर्तमान प्रधान राम उजेर, अजय कुमार पांडेय ,मोनू दुबे ,लालजी वर्मा, बबलू पांडेय ,पुत्तन खा आदि दर्जनों लोगों ने सड़क पर खड़े होकर विरोध किया और मुदार्बाद के नारे लगाकर सड़क मानक के अनुसार बनने की मांग किया था लेकिन विभाग और ठेकेदार ने अनदेखा कर दिया आज की स्थिति यह है कि एक ओर सड़क बनाई जा रही है और पीछे से गिटटी उखड़ रही है

मरघट में घपला कार्यवाही की मांग

नसीराबाद रायबरेली/विकास खंड छतोह की ग्राम पंचायत बेवल मे नव निर्मित मरघट में घपला होने की बात सामने आई है आरोप लगाते हुए जांच और कार्यवाही की मांग की गई है किसान यूनियन द्वारा ज्ञापन में आरोप लगाकर ज्ञापन सौंपा गया की करीब 30 लाख रुपए की लागत से बनाया गया मरघट लेकिन खानापूर्ति कर कुछ ही धन लगाकर और सरकारी धन हजम कर लिया गया 12 दिन प्रदर्शन करने के बावजूद अधिकारियों का जमीर नहीं जागा कार्यवाही तो दूर जांच तक उचित नहीं समझा गया

छात्राओं को दिये जा रहे हैं निःशुल्क चश्मे

खोराबार के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय से सीएमओ ने की शुरूआत

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। जिले में पिंक कार्ड जूनियर अभियान के दौरान चिन्हित की गईं रिफ्रेक्टिव एरर वाली छात्राओं के बीच निःशुल्क चश्मे वितरित किए जा रहे हैं। खोराबार ब्लॉक के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय से सीएमओ डॉ राजेश झा ने इसकी शुरूआत की है। वहां की छात्राओं के बीच बुधवार को इक्कीस चश्मे वितरित किए गए। सीएमओ ने बताया कि अभियान के दौरान जिले भर के कई स्कूलों में नेत्र परीक्षण के बाद 286 छात्राओं में रिफ्रेक्टिव एरर की समस्या पाई गई। सीएमओ डॉ झा ने कहा कि पिंक कार्ड जूनियर कैंपेन के दौरान जिले के सभी उन्नीस ब्लॉक के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, सर्वोदय विद्यालय सहजनवां, पीपीगंज के नवोदय विद्यालय, नार्मल कैंपस स्थित स्पर्श मूक बधिर विद्यालय, संकेत दृष्टि बाधित विद्यालय और पक्कीबाग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में स्वास्थ्य जांच के शिविर आयोजित किए गए। इन सभी शिविरों के जरिए करीब ढाई हजार छात्राओं की स्वास्थ्य की जांच कर उनका पिंक कार्ड जूनियर बनाया गया। इन छात्राओं में रिफ्रेक्टिव एरर से पीड़ित छात्राओं को चिन्हित कर उनके लिए निःशुल्क चश्मे बनवाए गए हैं। बारी-बारी अन्य विद्यालयों में भी चश्मों का वितरण किया जाएगा। डॉ झा ने बताया कि पिंक कार्ड जूनियर अभियान का उद्देश्य छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क करना है। यह कार्ड उनके स्वास्थ्य का रिकॉर्ड है। अभियान के दौरान छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का भी वितरण किया जा रहा है। साथ ही उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता की जानकारी दी जा रही है। अभियान के आयोजन में आरबीएसके की डीईआईसी मैनेजर डॉ अर्चना, मेडिकल टीम और आसपास के अस्पतालों के चिकित्सा अधिकारियों का योगदान लिया जा रहा है।

कार पेड़ से टकराकर पलटी,तीन की मौत,दो घायल

अमन लेखनी समाचार

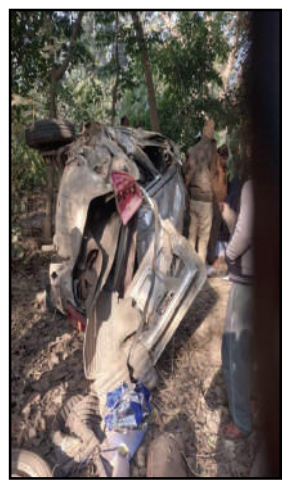

नसीराबाद,रायबरेली। डीह थाना क्षेत्र में परशदेपुर-रायबरेली मार्ग पर किरही नाला के पास भीषण सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। बुलंदशहर जिले के थाना चांदपुर के मंशागढ़ी नगलिया निवासी मुकेश पुत्र रनवीर अपने बेटे दिव्यांश और साले अलीगढ़ जिले के थाना अकराबाद के जिरौली गांव निवासी रामू पुत्र सुभाष के साथ प्रतापगढ़ के सांगीपुर के पूरे तिलकदास, लखनपुरसूर निवासी चंदन मिश्रा की बहन ज्योति मिश्रा की शादी में शामिल होने ट्रेन से आ रहे थे। चंदन मिश्रा अपने दोस्त दीपांशु पटवा के साथ कार से सभी को लेने रायबरेली रेलवे स्टेशन गया था। वहां से सभी को वापस लेकर आते समय कार गोपालपुर गांव के सामने किरही नाला के पास अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। कार में पीछे बैठे मुकेश, उनके पुत्र दिव्यांश और साले रामू की मौत हो गई। जबकि चंदन मिश्रा और दीपांशु का इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे डीह थानाध्यक्ष जितेंद्र मोहन सरोज व चौकी प्रभारी मोहित भारद्वाज ने घायलों को अपस्ताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

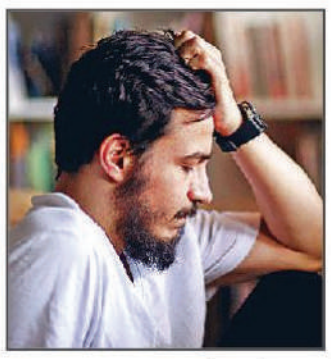

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमशुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

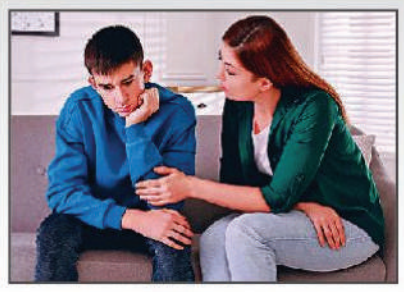

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *